E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-254 | जम्मू तवी, वीरवार 16 अक्तूबर, 2025 | मूल्य-2 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

जम्मू-कश्मीर में सभी आतंकवाद पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करेंगे : मनोज सिन्हा

श्रीनगर 15 अक्टूबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज कुपवाड़ा के दारदपोरा का दौरा किया और पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा मारे गए नागरिक शहीदों के परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने सरकारी डिग्री कॉलेज, कुपवाड़ा में आतंकवाद पीड़ित परिवारों को संबोधित किया और उन्हें समुचित पुनर्वास एवं दोषियों को कड़ी से कड़ी सज़ा का आश्वासन दिया।

उपराज्यपाल ने कहा कि पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा मारे गए नागरिक शहीदों के परिजनों को न्याय, सम्मान और गरिमा प्रदान करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आपराधिक न्याय प्रणाली यह सुनिश्चित करेगी कि आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र के सभी तत्वों को दंड मिले ताकि पीड़ित परिवारों और समाज को न्याय और संतोष की अनुभूति हो। मैंने परिवारों को आश्वस्त किया है कि उनके दशकों पुराने दु:ख, यातना और पीड़ा का अंत हो गया है। हम उन्हें हर तरह का समर्थन प्रदान करेंगे ताकि वे अपना जीवन पुन: स्थापित कर सकें।

उन्होंने कहा कि नागरिक शहीदों के परिवारों ने अत्यधिक मानसिक आघात झेला है और पिछले तीन दशकों में उन्हें बेरोजगारी, शिक्षा और सामाजिक निराशा जैसी कई चुनौतियों से गुजरना पड़ा है। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा मारे गए नागरिकों के परिवारों को भी ऐसी संरचनात्मक बाधाओं का सामना करना पड़ा जिसने उनकी प्रगति को बाधित किया। उन्हें अपने अधिकारों और संसाधनों से वंचित रखा गया था। अब सभी अवरोध समाप्त कर दिए गए हैं और हम आतंकवाद पीड़ित परिवारों को न्याय और गरिमा सुनिश्चित कर रहे हैं। उपराज्यपाल ने उन निर्दोष नागरिकों को श्रद्धांजलि दी जिन्हें पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने निर्ममता से मौत के घाट उतार दिया था। आतंक पीड़ित परिवारों ने भी अपने दुखद अनुभव साझा किए। आतंक पीड़ित परिवारों की गहरी भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक पीड़ा को शब्दों में व्यक्त करना कठिन है, और प्रशासन प्रत्येक मामला पूरी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ देखेगा। अब तक लगभग 250 आतंक पीड़ित परिवारों को सरकारी रोजगार प्रदान किया गया है। यह मिशन तब तक जारी रहेगा जब तक हर प्रभावित परिवार को न्याय नहीं मिल जाता। यह जम्मू-कश्मीर में न्याय के एक नए युग की शुरुआत है। उपराज्यपाल ने यह भी बताया कि हाई-रेंज रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी और जम्मू व कश्मीर के मंडलायुक्तों के बीच हाल ही में हुए समझौते के तहत आतंकवाद पीड़ित परिवारों, जिनके पास अपनी ज़मीन है, के मकानों का निर्माण किया जाएगा। इस पहल के तहत एचआरडीएस इंडिया और दोनों मंडलायुक्त उन परिवारों की पहचान करेंगे जिनके घर आतंकवादियों ने नष्ट कर दिए थे उपराज्यपाल ने कहा कि पाकिस्तानी आतंकवादियों और उनके स्थानीय समर्थन तंत्र ने अपने अपराधों से पाकिस्तान को बचाने के लिए तीन दशकों तक झूठी कहानियाँ गढ़ीं।

नगरोटा हमेशा भाजपा के साथ रहेगा, देवयानी राणा को विधानसभा उपचुनाव जीतने का भरोसा

भाजपा द्वारा नगरोटा विधानसभा उपचुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा

जम्मू ,15 अक्टूबर । भाजपा द्वारा बुधवार को जम्मू के नगरोटा विधानसभा उपचुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा के तुरंत बाद, पार्टी के वरिष्ठ नेता दिवंगत देवेंद्र सिंह राणा की बेटी देवयानी राणा ने बड़े अंतर से जीत दर्ज करने का भरोसा जताया। उनके आवास पर उत्साहित कार्यकर्ता और समर्थक उमड़ पड़े और ढोल की थाप पर नाचने लगे। आशुतोष और संपदा ने बताया कि भाजपा ने बुधवार को विभिन्न राज्यों में आगामी उपचुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की, जिसमें जम्मू-कश्मीर के नगरोटा और बडगाम से क्रमश: देवयानी राणा और आगा सैयद मोहसिन को मैदान में उतारा गया है। नगरोटा सीट पिछले अक्टूबर में देवेंद्र सिंह राणा के निधन के बाद खाली हुई थी, जबकि बडगाम में उपचुनाव मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा सीट खाली करने और गंदेरबल सीट बरकरार रखने के बाद आवश्यक हो गया था। देवयानी ने संवाददाताओं से कहा, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, सती शर्मा, तरुण चुघ और अशोक कौल का हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने मुझे नगरोटा से चुनाव लड़ने के योग्य समझा। उन्होंने कहा कि उनकी उम्मीदवारी केवल टिकट की घोषणा नहीं है, बल्कि उनके दिवंगत पिता द्वारा शुरू किए गए विजन और पहलों को आगे बढ़ाने का एक शानदार अवसर है। उन्होंने कहा, जनता के आशीर्वाद से, हम नगरोटा को एक आदर्श निर्वाचन क्षेत्र बनाएंगे - राणा साहब के इसे विकसित भारत के प्रतीक में बदलने के सपने को साकार करेंगे। उनकी उम्मीदवारी की घोषणा का जश्न मनाने के लिए बड़ी संख्या में भाजपा समर्थक और नगरोटा निवासी गांधी नगर स्थित देवयानी के आवास पर उमड़ पड़े। मीडिया और मोटर कंपनियों के पारिवारिक व्यवसाय का प्रबंधन करने वाली एक उद्यमी, देवयानी ने कहा कि वह सेवा समर्पण और अनुशासन के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने दावा किया, यह सीट भाजपा की थी और हमेशा भाजपा की ही रहेगी। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में बीए करने वाली देवयानी ने महिलाओं और युवाओं को सशक्त बनाने के लिए भाजपा की सराहना की और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के विजन के तहत, उनका लक्ष्य विकसित नगरोटा और विकसित जम्मू-कश्मीर बनाने के लिए काम करना है। भाजपा को सिर्फ एक पार्टी नहीं, बल्कि एक परिवार बताते हुए उन्होंने कहा, हम बातचीत में नहीं, बल्कि काम में विश्वास करते हैं, हम ज़मीनी स्तर पर काम करने और लोगों की सेवा करने में विश्वास करते हैं। हम सब मिलकर इस सीट को भारी अंतर से जीतेंगे।

खबर संक्षेप

पुलिस ने वर्षों से गिरफ्तारी से बच रहे दो भगोड़ों को किया गिरफ्तार

श्रीनगर, 15 अक्टूबर। भगोड़ों और घोषित अपराधियों पर चल रही कार्रवाई में श्रीनगर पुलिस ने बेमिना और पंथाचौक निवासी दो लंबे समय से फरार चल रहे लोगों को गिरफ्तार किया है जो क्रमश: 12 साल और 4 साल से गिरफ्तारी से बच रहे थे। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान वसीम भट पुत्र अब्दुल मजीद भट, निवासी अल-फारूक कॉलोनी वर्तमान में हमदानिया कॉलोनी, बेमिना में रह रहा है जो 2013 से फरार है और अब्दुल राशिद शेख पुत्र अब्दुल अहद शेख, निवासी अथवाजन पंथा जो 2021 से फरार है के रूप में हुई है। विशिष्ट खुफिया सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने एक लक्षित अभियान शुरू किया और लगातार प्रयासों के बाद भगोड़ों को पकड़ लिया। उनकी गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी औपचारिकताएँ पूरी की गईं और आरोपियों को श्रीनगर की संबंधित अदालत में पेश किया गया।

सभी शैक्षणिक संस्थान 19 से 23 अक्टूबर, 2025 तक पूजा की छुट्टियां मनाएंगे : डीएसईजे

जम्मू, 15 अक्टूबर। स्कूल शिक्षा निदेशक जम्मू (डीएसईजे) ने घोषणा की है कि जम्मू प्रांत में उच्चतर माध्यमिक स्तर तक के सभी शैक्षणिक संस्थान 19 अक्टूबर, 2025 से 23 अक्टूबर, 2025 तक पूजा की छुट्टियां मनाएंगे।

नौशेरा से किसानों का दल जम्मू के लिए रवाना

जम्मू, 15 अक्टूबर। नौशेरा से किसानों का दल जम्मू के लिए रवाना हुआ जिसे हॉर्टिकल्चर विभाग के तहत भेजा गया है। इस अवसर पर एडीसी नौशेरा प्रीतम लाल थापा ने किसानों के दल को झंडी दिखाकर रवाना किया। किसानों का यह दल जम्मू में आयोजित कार्यक्रमों और प्रशिक्षण सत्रों में भाग लेकर नई तकनीकों और आधुनिक कृषि पद्धतियों की जानकारी प्राप्त करेगा। हॉर्टिकल्चर विभाग का उद्देश्य किसानों को कृषि और बागवानी में उन्नत तकनीकों से परिचित कराना और उनकी उत्पादकता बढ़ाना है।

आतंकी तंत्र को खत्म करने के लिए श्रीनगर पुलिस ने शहर भर में कई जगहों पर की छापेमारी

श्रीनगर, 15 अक्टूबर । आतंकी तंत्र को खत्म करने और गैरकानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत श्रीनगर पुलिस ने बुधवार को शहर भर में कई जगहों पर व्यापक छापेमारी की। जांच के सिलसिले में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों से जुड़े आतंकवादी सहयोगियों और ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) के आवासों पर तलाशी ली गई। पुलिस प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत तलाशी अभियान श्रीनगर के विभिन्न इलाकों में चलाए गए, जिसमें आतंकवाद से संबंधित गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने, सहायता करने या बढ़ावा देने में शामिल व्यक्तियों को निशाना बनाया गया। इनमें असरार अहमद बाला पुत्र रफी बाला निवासी ओमर कॉलोनी लाल बाजार, शाहबाज अहमद भट पुत्र फारूक अहमद भट निवासी पालपोरा नूरबाग, साजिद मजीद शाह पुत्र अब्दुल मजीद शाह निवासी नौपोरा सेकिदाफर, आशिक बशीर नजर पुत्र बशीर अहमद नजर निवासी सोइतेंग शामिल हैं।

देश में अब नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित केवल तीन जिले बचे हैं: गृह मंत्रालय

नयी दिल्ली,15 अक्तूबर। सरकार ने नक्सल मुक्त भारत बनाने के संकल्प की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है और अब नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या 6 से घटकर सिर्फ तीन रह गई है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि अब केवल छत्तीसगढ़ के बीजापुर, सुकमा और नारायणपुर ही वामपंथी उग्रवाद से सबसे अधिक प्रभावित जिले बचे हैं।

वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या भी 18 से घटकर केवल 11 रह गई है। इस प्रकार अब केवल 11 जिले वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित हैं। वक्तव्य में कहा गया है कि सरकार अगले वर्ष 31 मार्च तक नक्सलवाद की समस्या को पूरी तरह समाप्त करने के लिए कटिबद्ध है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा एकीकृत खनन निगरानी प्रणाली की तैयारियों की समीक्षा

खनन कार्यों में मज़बूत प्रणाली लागू करने का निर्देश, समयबद्ध खनिज अन्वेषण की आवश्यकता पर बल दिया

श्रीनगर, 15 अक्तूबर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नागरिक सचिवालय में खनन विभाग की एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें विभाग के आधुनिकीकरण प्रयासों, विनियामक ढाँचे और खनिज प्रबंधन तथा निगरानी में चल रहे सुधारों की प्रगति का आकलन किया गया। बैठक में उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी, मुख्य सचिव अटल डुल्लू, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, खनन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनिल कुमार, भूविज्ञान और खनन निदेशक, सभी उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान खनन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने विभाग के प्रदर्शन पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी और हाल के वर्षों में तकनीकी प्रगति, नियामक सुधार, अन्वेषण परियोजनाओं और वित्तीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। समीक्षा की प्रमुख विशेषता 'एकीकृत खनन निगरानी प्रणाली' की प्रस्तुति और लाइव डेमो थी, जो भारतीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भू-सूचना संस्थान (भास्कराचार्य इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लिकेशन्स एंड जियो-इनफॉर्मेटिक्स) के सहयोग से तैयार की गई एक डिजिटल पहल है। आईएमएसएस पोर्टल और मोबाइल एप्लिकेशन ई-चालान और ई-मार्केट प्रणालियों के साथ एकीकृत डैशबोर्ड के माध्यम से खनन गतिविधियों की रियल-टाइम निगरानी की सुविधा प्रदान करता है।

कैबिनेट ने विधानसभा में तीन प्रमुख विधेयकों को पेश करने की मंजूरी दी

श्रीनगर, 15 अक्टूबर। कैबिनेट ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा के आगामी सत्र में तीन प्रमुख विधेयकों को पेश करने की मंज़ूरी दे दी।

सूत्रों ने बताया कि कैबिनेट ने जम्मू-कश्मीर पंचायती राज अधिनियम, 1989 और वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 में संशोधन के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर दुकान एवं व्यवसाय प्रतिष्ठान विधेयक, 2025 को लागू करने को भी मंज़ूरी दे दी। सूत्रों के अनुसार, पंचायती राज अधिनियम, 1989 में संशोधन के तहत राज्य चुनाव आयुक्त की ऊपरी आयु सीमा 65 वर्ष से बढ़ाकर 70 वर्ष करने का प्रस्ताव है। प्रस्तावित संशोधन के साथ, ऊपरी आयु सीमा बढ़ाकर 70 वर्ष कर दी जाएगी। सरकार ने जम्मू-कश्मीर दुकान एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठान अधिनियम-2025 को भी मंज़ूरी दे दी है। श्रम एवं रोज़गार विभाग द्वारा प्रस्तावित इस विधेयक का उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेश में दुकानों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए कार्य स्थितियों, रोज़गार प्रथाओं और परिचालन मानकों को विनियमित करना है। इसमें जम्मू-कश्मीर वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम 2017 में संशोधनों को भी मंज़ूरी दी गई है। मंत्रिमंडल ने राज्य विवाह सहायता योजना के अंतर्गत योग्यता की आवश्यकता को हटाने को भी मंज़ूरी दे दी है। मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार, इस योजना का लाभ उठाने वाली लड़की का मिडिल पास होना अनिवार्य है मंत्रिमंडल ने जम्मू-कश्मीर इंजीनियरिंग (राजपत्रित) सेवा भर्ती नियम 1978 की अनुसूची II को भी मंज़ूरी दे दी है, जिससे विभिन्न इंजीनियरिंग विभागों में मुख्य अभियंताओं और अन्य उच्च अधिकारियों के पदों को भरने का मार्ग प्रशस्त होगा।

मुख्य सचिव ने युवा सहभागिता कार्यक्रम के रोडमैप की समीक्षा की

कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा, खेल, संस्कृति और उद्यमिता के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना है

श्रीनगर, 15 अक्तूबर। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने योजना, विकास एवं निगरानी विभाग द्वारा प्रस्तुत युवा सहभागिता-कल के नेताओं का निर्माणफ्ऱ पर आधारित विस्तृत प्रस्तुति की समीक्षा की। इस प्रस्तुति में जम्मू-कश्मीर के युवाओं को खेल, संस्कृति, शिक्षा, उद्यमिता और डिजिटल नवाचार के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए एक एकी.त ढाँचा प्रस्तुत किया गया। बैठक में संस.ति के प्रधान सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग, युवा सेवा एवं खेल विभाग तथा उद्यान विभाग के आयुक्त सचिव, स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा और कौशल विकास विभागों के सचिव, साथ ही कई विभागाध्यक्ष और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक की शुरुआत में मुख्य सचिव ने कहा कि यह युवा सहभागिता कार्यक्रम पूरे केंद्रशासित प्रदेश में युवाओं में रचनात्मकता, नवाचार और नेतृत्व की भावना को पोषित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस पहल को बहुआयामी बनाने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि प्रत्येक युवा अपनी प्रतिभा और आकांक्षाओं के अनुरूप सार्थक रूप से जुड़ सके। मुख्य सचिव ने युवा सेवा एवं खेल, संस.ति, स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास सहित सभी संबंधित विभागों को अपने-अपने क्षेत्रों में अधिकतम युवाओं को जोड़ने के लिए रणनीतिक योजनाएँ तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिलाधिकारियों को भी प्रभावी जमीनी क्रियान्वयन के लिए जिला-विशिष्ट कार्ययोजनाएँ बनाने को कहा सामंजस्यपूर्ण प्रयासों की आवश्यकता पर बल देते हुए मुख्य सचिव ने योजना विभाग को इस पहल के समग्र क्रियान्वयन और निगरानी के लिए नोडल एजेंसी नामित किया। उन्होंने विभाग को विभिन्न विभागों की सभी युवा सहभागिता गतिविधियों के अपलोडिंग और ट्रैकिंग हेतु एकी.त ऑनलाइन प्लेटफॉर्म विकसित करने को कहा।

सांबा पुलिस ने लूट का मामला सुलझाया, चोरी के सामान सहित 06 गिरफ्तार

सांबा, 15 अक्टूबर । हिंसा और चोरी में लिप्त असामाजिक तत्वों पर अपनी निर्णायक कार्रवाई जारी रखते हुए सांबा पुलिस ने बारी ब्राह्मणा पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले एक राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण स्थल पर हमले, लूट और तोड़फोड़ के एक बड़े मामले को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है। जिसमें छह आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद किया है। जानकारी के अनुसार बीते 13 अक्टूबर को मेसर्स शिवालय कंस्ट्रक्शन लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि सुधीर पुत्र मनफूल ने 12-13 अक्टूबर की मध्यरात्रि को सरोरे गाँव के पास चेनेज संख्या 506000 पर हुई एक हिंसक घटना के संबंध में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, 10-15 अज्ञात व्यक्तियों की भीड़ ने रात करीब 12:15 बजे कंपनी के प्रोजेक्ट स्थल पर हमला किया, पथराव किया और ड्यूटी पर तैनात गार्डों और कर्मचारियों पर लाठियों और रॉड से हमला किया। हमलावरों ने सीसीटीवी कैमरे, लाइटिंग सिस्टम, वाहन और एक कैंपर वाहन सहित साइट के अन्य बुनियादी ढांचे को क्षतिग्रस्त कर दिया।

अभिनेता पंकज धीर का निधन

मुंबई, 15 अक्टूबर। लोकप्रिय धारावाहिक महाभारत में कर्ण का किरदार निभाने वाले पंकज धीर का बुधवार को यहां निधन हो गया। वह 68 वर्ष के थे और लम्बे समय कैंसर से पीड़ित थे। सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन ने आधिकारिक बयान में पंकज धीर के निधन की पुष्टि की। एसोसिएशन ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, गहरे शोक और दु:ख के साथ हम सूचित करते हैं कि हमारे ट्रस्ट के पूर्व चेयरमैन और सिंटा के पूर्व महासचिव पंकज धीर का आज निधन हो गया।

पंकज धीर ने बी.आर. चोपड़ा के लोकप्रिय धारावाहिक महाभारत में दानवीर कर्ण का किरदार निभाया था, जिससे उन्हें भारी लोकप्रियता मिली थी।

जावेद राणा ने जम्मू-कश्मीर में जनजातीय सशक्तिकरण को तेज करने हेतु बहुआयामी रणनीति की आवश्यकता पर जोर दिया

श्रीनगर 15 अक्टूबर। जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने जम्मू-कश्मीर में जनजातीय सशक्तिकरण की रतार को तेज करने के लिए एक व्यापक और बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री वन धन योजना के क्रियान्वयन पर हुई विस्तृत समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री ने समावेशी योजना, अंतर्विभागीय समन्वय और जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन के महत्व को रेखांकित किया ताकि सरकारी योजनाओं के लाभ विशेष रूप से दूरदराज़ और वंचित क्षेत्रों में रहने वाले जनजातीय समुदायों तक प्रभावी रूप से पहुंच सकें। बैठक में ज़ैनपोरा के विधायक शोएब हुसैन गनई, जनजातीय मामलों के निदेशक मुमताज़ चौधरी, जम्मू-कश्मीर ग्रामीण आजीविका मिशन की मिशन निदेशक डॉ. शुभ्रा शर्मा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान मंत्री ने विभिन्न जिलों में पीएमवीडीवाई की प्रगति की समीक्षा की और इस योजना के तहत जनजातीय आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास पर इसके प्रभाव का आकलन किया। बैठक की शुरुआत में राणा ने केंद्र शासित प्रदेश में स्थापित वन धन विकास केंद्रों की स्थिति, उनकी कार्यकुशलता, आय सृजन और रोजगार सृजन के संदर्भ में प्राप्त ठोस परिणामों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पीएमवीडीवाई लघु वन उपज के मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देकर जनजातीय उद्यमियों को सशक्त बनाने और स्थायी आजीविका के अवसरों तक उनकी पहुँच बढ़ाने में फ्गेम चेंजरफ्र साबित हो सकती है।

दस सिविल न्यायाधीशों को तदर्थ आधार पर पदोन्नत करने का आदेश

जम्मू ,15 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने न्यायिक सेवा नियम, 2025 के नियम 7 के तहत उनकी वरिष्ठता, सतर्कता रिपोर्ट और प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के बाद दस सिविल न्यायाधीशों (जूनियर डिवीजन) को तदर्थ आधार पर सिविल न्यायाधीश (वरिष्ठ डिवीजन) के पद पर पदोन्नत किया है। पदोन्नत किए गए न्यायाधीशों में मलिका शर्मा, अनंत रैना, शब्बीर अहमद मलिक, अल्ताफ अहमद मीर, मीरा बंगोत्रा, असमा चौधरी, उर्वशी रैना, अंजीत सिंह, सुहासनी वशिष्ठ और तरुण महाजन शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने वांगचुक की हिरासत को चुनौती वाली याचिका में संशोधन की दी अनुमति

नयी दिल्ली, 15 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत राजस्थान की जोधपुर केंद्रीय जेल में बंद सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो को उनकी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में संशोधन करने की बुधवार को अनुमति दे दी।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने एनएसए के तहत वांगचुक की हिरासत के आधार को चुनौती देने वाली गीतांजलि की याचिका में संशोधन की अनुमति दे दी।

अंगमो की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने याचिका में संशोधन करने की अनुमति मांगी ताकि सरकार द्वारा दिए गए हिरासत के आधारों को अब उचित रूप से चुनौती दी जा सके। उन्होंने पीठ के समक्ष स्पष्ट किया कि वांगचुक को अपनी पत्नी के साथ नोट्स साझा करने की अनुमति नहीं है।

श्री सिब्बल ने कहा, उन्होंने (वांगचुक) अपनी नज़रबंदी पर कुछ नोट्स बनाए हैं, जिन्हें वह अधिवक्ता को देना चाहते हैं। वह जो भी नोट्स तैयार करते हैं, उसमें उन्हें वकील की सहायता लेने का अधिकार है। हम बस यही चाहते हैं कि नोट्स उन्हें दिए जाएँ।

इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उन्हें याचिकाकर्ता, अंगमो के साथ नोट्स साझा किए जाने से कोई समस्या नहीं है। श्री मेहता ने

यह भी कहा कि याचिकाकर्ता ने हिरासत के आधार बताने में देरी। वांगचुक की नज़रबंदी को चुनौती देने का आधार नहीं बननी चाहिए।

एनएसए के तहत अपनी नज़रबंदी के खिलाफ और रिहाई की मांग करने वाली अंगमो की याचिका पर सुनवाई के बाद अदालत ने 06 अक्टूबर को केंद्र, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और जोधपुर सेंट्रल जेल के पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। वांगचुक को 26 सितंबर लद्दाख में हुई हिंसा के दौरान गिरफ्तार किया गया था। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई थी।

जॉब पर वे बातें
जो आपको कोई नहीं बताएगा...

पढ़ाई खत्म करने के बाद जब आप किसी कंपनी में काम करने जाते हैं तो शुरू के कुछ साल आपको बिजनस एथिक्स समझने में लग जाते हैं। पर कंपनियां यह सोचती हैं कि आपको ये एथिक्स पहले से पता होना चाहिए। ये बातें आपको अपने कार्यस्थल पर कोई नहीं बताएगा, लेकिन हम आपकी मदद कर सकते हैं।

1. पहली नौकरी आपको कई अनुभव देती है। याद रखिए कि अब आप एक प्रोफेशनल बन चुके हैं और आपकी पहली नौकरी आपके करियर के लिए महत्वपूर्ण है। तो अपने कार्यस्थल पर हद से ज्यादा गपशप और देर से आना और बहाने देना अब अच्छा नहीं होगा।
2. कार्यस्थल पर फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सएप आदि सोशल नेटवर्किंग का उपयोग न के बराबर ही करें। इनका अत्यधिक उपयोग आपकी काम में अरुचि को दर्शाता है, इसलिए कई कंपनियां इन साइट्स को ब्लॉक कर देती हैं। अच्छा होगा कि बातचीत करने के लिए लंच ब्रेक का प्रयोग करें।
3. अपने सीनियर से बहस न करें। अपनी गलती मानें और उसे समझें और दोबारा न दोहराने की बात कहें, क्योंकि वे आपके बॉस हैं कई सालों से काम करते हुए उन्हें काम का खासा अनुभव है। आपका ज़रा-सा गलत रवैया बॉस की नज़रों में आपकी इमेज गिरा सकता है।
4. कार्यस्थल एक ऐसी जगह है जहां अलग-अलग प्रकार के, अलग विचारों के लोग एकसाथ काम करते हैं। कभी-कभी किसी बात पर मतभेद भी हो जाता है, तो याद रखें कि मतभेद को मनभेद में परिवर्तित ना होने दें।
5. खुलेआम अपने सहयोगी की बुराई न करें। लोगों की बुराई से ज्यादा अच्छाई देखें।
6. अपना काम हमेशा ईमानदारी से करते रहें। अगर कोई काम समझ नहीं आ रहा है तो अपने सीनियर या सहयोगियों से पूछने में हिचकें नहीं।
7. अगर आप ओवरवर्कड महसूस कर रहे हैं तो अपने सीनियर से अपनी समस्या पर बात करें।
8. कार्यस्थल पर हमेशा विनम्र बने रहें।

बेरोज़गारी का भी मज़ा लीजिए

कॉलेज से पढ़ाई पूरी करने के बाद ज़रूरी नहीं है कि आपको जॉब मिल ही जाए। आपमें काबिलियत है इसमें कोई शक नहीं लेकिन कभी-कभी समय अनुकूल नहीं होता। जीवन के इस पॉइंट पर जब आपके ज्यादातर दोस्त जॉब पर लग चुके हैं और आप बेरोजगार हैं तो आपको अपने आप को अयोग्य या अनसक्सेसफुल महसूस करने की कोई जरूरत नहीं है। ऐसा तो बिलकुल नहीं है कि भविष्य में आपको जॉब नहीं मिलेगा। आप बेरोज़गार हैं तो इसका भी मज़ा लीजिए और अपने इस खाली समय का सदुपयोग करें। हम बता रहे हैं कैसे-

अपनी हॉबी को समय दें ः आप अपने इस खाली समय का उपयोग अपने शौक को पूरा करने के लिए कर सकते हैं। ऐसी चीज़ें करें जो आप करना चाहते थे लेकिन पढ़ाई और दूसरे कामों के चलते आप उसके लिए समय नहीं निकाल पाए। वो डांस सीखना, सिंगिंग क्लास जाना, कोई इंसट्रुमेंट बजाना सीखने से लेकर कुछ भी हो सकता है। खुद के लिए उस समय का भरपूर उपयोग करें।

रिश्तों को नयापन दें ः ये खाली समय अपने परिवार और दोस्तों को दें। ऐसे दोस्तों से मिलें जिनसे मिले आपको सालों हो गए हैं। अपनी सोशल लाइफ को ट्रैक पर लाएं और चाहें तो नए दोस्त बनाएं। इस खाली समय का आप इस तरह अच्छा उपयोग कर सकते हैं।

छुट्टियों पर निकल जाएं ः अभी आप किसी के अंडर काम नहीं कर रहे हैं। आपके पास ना 9 से 5 की बंधी हुई दिनचर्या है ना बॉस की झिक-झिक है। एक बार ये सब शुरू हो गया तो आप इससे निकल नहीं पाएंगे तो मान कर चलें कि ये आपकी जिंदगी का सबसे अच्छा समय है जो आप अपने लिए खर्च कर सकते हैं जैसे आप चाहें। एक वेकेशन प्लान करें, वीडियो गेम खेलें, स्पा का मज़ा लें आदि।

डॉक्टर बनने का बेहतर प्लेटफॉर्म

एक पुरानी चीनी कहावत हैकि सबसे बेहतर डॉक्टर वह है , जो बीमारी के आने से पहले ही उसे दूर कर देता है। इसके बाद वे चिकित्सक आते हैं,जो किसी बीमारी को आने पर उसे और बढने से रोकता है। सबसे निचले स्तर पर वे आते हैं, जो बीमारी का इलाज करते हैं। आज मेडिकल के प्रोफेशन में हर कदम पर यह कहावत खुद को चरितार्थकरती है। सालों पहले जब मेडिक ल सुविधाओं का विकास इतना नहीं हुआ था, तब हम हर बीमारी को अपना प्रारब्ध या प्रकृति का न्याय माना करते थे। लोग बीमारी से लडना तो दूर रहा, उसके नाम से ही घबराया करते थे। ऐसे में अमूमन साधारण बीमारियां भी जानलेवा हुआ करती थीं। लेकिन आज ऐसा नहीं है। पिछले सौ सालों में मेडिकल सांइस में हुई तेज तरक्की ने लोगों की पुरानी धारणा को तो बदला ही है, लोगों को जीने का हौसला भी दिया है। इस हौसले को अपनी क्षमताओं और गहरे समर्पण के बूते आधुनिक धन्वंतरि और भी आसान बना रहे हैं। यदि आपमें भी दर्द झेल रही मानवता के कष्टों के बरक्स अपनी जिम्मेदारी का अहसास है तो चिकित्सक बनकर अपनी इस जिम्मेदारी को बखूबी पूरा कर सकते हैं। ऑल इंडिया प्री मेडिकल टेस्टयानि एआईपीएमटी इस क्षेत्र में आपकी राह प्रशस्त कर सकता है।

क्यों खास है एआईपीएमटी

डॉक्टर की पृथ्वी के ईश्वर के रूप में पूजा की जाती है। लोग इस पेशे को सम्मानित नजरिए से देखते हैं। यही कारण है कि डॉक्टर बनने का स्वप्न हर युवा देखता है। अभिभावक भी चाहते हैं कि उसका बेटा चिकित्सक बनकर देश की सेवा करे और प्रसिद्धि पाए। लेकिन यह सपना उसी का पूरा हो पाता है, जो सिस्टमेटिक पढाई करता है। यदि आपने सीबीएसई द्वारा आयोजित एआईपीएमटी के माध्यम से एमबीबीएस तथा बीडीएस की पढाई करने का स्वप्न देखा है तो एआईपीएमटी में अच्छी रैंक लाकर सपने को हकीकत में बदल सकते हैं।

संस्थान चयन के फार्मूले

एआईपीएमटी में स्टूडेंट्स को रैंकिंग के आधार पर मेडिकल कॉलेज आवंटित किए जाते हैं। कभी विकल्प भी मांगे जाते हैं। यदि ऐसा अवसर मिले तो शीर्ष संस्थानों को प्रथम वरीयता दें। प्रयास करें होम स्टेट के मेडिकल कॉलेज को सर्वप्रथम वरीयता दें। यदि आप ऐसा करते हैं तो इससे भाषा या इससे संबंधित प्रांतीय समस्याएं सामने नहीं आएंगी।

बारहवीं में बायोलॉजी है अनिवार्य

अखिल भारतीय प्री-मेडिकल/प्री-डेंटल प्रवेश परीक्षा देने के लिए वही कैंडिडेट्स योग्य हैं, जिनकी उम्र 31 दिसम्बर को 17 से 25 वर्ष के बीच हो और 50 प्रतिशत अंकों के साथ फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी यानि पीसीबी के साथ 10+ 2 उतीर्ण हों या फिर 2012 में परीक्षा दे रहा हों।

जानिए प्रारंभिक परीक्षा का पैटर्न

एआईपीएमटी की प्रारंभिक परीक्षा में एक प्रश्नपत्र होगा जिसमें 200 ऑब्जेक्टिव टाइप प्रश्न होंगे। समयावधि तीन घंटे की होगी। परीक्षा में पूछे जाने वाले सभी प्रश्न फिजिक्स, केमिस्ट्री, बॉटनी और जुलॉजी से होंगे। प्रारंभिक परीक्षा की तरह फाइनल परीक्षा में भी फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी (जुलॉजी और बॉटनी) के प्रश्न

पूछे जाएंगे। इसमें भी केवल एक प्रश्नपत्र होगा, जिसमें 120 ऑब्जेक्टिव प्रश्न पूछे जाएंगे।

क्या है मीडियम आफ क्वैश्चन

एआईपीएमटी परीक्षा का मीडियम अंग्रेजी और हिन्दी दोनों भाषाएं होंगी। आप जिस भी भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उसके लिए फार्म भरते समय संबंधित कॉलम में टिक करना जरूरी है। आवेदन फार्म भरने के बाद भाषा बदलना संभव नहीं होगा।

तैयारी के मंत्र

कडी मेहनत के साथ यदि तैयारी में बेहतर गाइडेंस व पुख्ता रणनीति का रंग मिला दें तो यहां कामयाबी काफी कुछ सहज हो सकेगी। 12वीं के सिलेबस से क्लियर होगा फंडा एआईपीएमटी में पूछे जाने वाले प्रश्न दसवीं व बारहवीं स्टैंडर्ड के होते हैं। स्टूडेंट्स यदि दसवीं से ही इस प्रतियोगिता की तैयारी शुरू कर दे तो वे आसानी से अच्छी रैंक ला सकते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि वे छात्र जो अपनी बारहवीं की पढाई में संजीदा रहते हैं, उनके लिए इस परीक्षा के भंवर को पार करना थोडा आसान रहता है। ऐसे में आवश्यक है कि स्टूडेंट्स फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के बेसिक्स पर ज्यादा ध्यान दें और उससे भी पहले सिलेबस को अच्छी तरह समझ लें।

प्रैक्टिस का नहीं है अल्टरनेटिव

लगातार प्रैक्टिस इस परीक्षा में कामयाबी का मंत्र है। चूंकि इस परीक्षा का नेचर ऑब्जेक्टिव टाइप होता है, इसलिए इसकी प्रैक्टिस बहुत जरूरी है। ऐसे में जरूरी है कि कैंडिडेट्स पिछले वर्षो के प्रश्नों पर ध्यान दें। घर में ही परीक्षा जैसा महौल बनाएं। कि स चेप्टर से कितने प्रश्न पूछे गए हैं , को भी दिमाग में रखना अहम होगा। ऐसा बार-बार करने से विषय में पकड मजबूत होगी व तैयारी भी बेहतर होगी।

और भी हैं डाक्टर बनने की राह

यदि आपने मेडिकल में सुनहरे कल की इबारत लिखने का संकल्प लिया है तो आने वाले समय में कई संभावनाएं हैं। एसोचैम रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2015 तक भारतीय दवा उद्योग करीब 20 अरब डॉलर होने की संभावना है। अनुमान है कि इस समयावधि में ही देश का दवा बाजार दुनिया के शीर्ष 10 दवा बाजारों में शामिल हो जाएगा। वहीं एक अन्य रिपोर्ट के आंकडे बताते हैं कि देश के दूसरे और तीसरे दर्जे के शहरों में निजी अस्पताल कारोबार में बढोत्तरी के मद्देनजर इस सेक्टर के अगले तीन साल में 45 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। देश में मेडिकल प्रोफेशनल के लिए आज एआईपीएमटी के अलावा भी कई विकल्प हैं।

कौन-कौन सी प्रवेश परीक्षाएं

एआईपीएमटी के अलावा कईसंस्थान राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर मेडिकल परीक्षा आयोजित करते हैं, जिसमें आ?र्मड फोर्स मेडिकल कॉलेज, पुणे (एएफएमसी), बीएचयू एमबीबीएस इंट्रेंस एग्जामिनेशन , एमजीआईएमएस वर्धा एमबीबीएस प्रमुख हैं। इसके अलावा सीपीएमटी, पीएमटी जैसी प्रवेश परीक्षाओं की मेरिट में आकर भी डॉक्टर बनने का सपना आबाद कर सकते हैं। भारत में मेडिकल की कई शाखाएं हैं, जिसमें कई तो बेहद परंपरागत और प्राचीन समय से चली आ रही हैं। ऐलोपैथ, आयुर्वेद (बीएएमएस), होम्योपैथ (बीएचएमएस) तथा यूनानी (बीयूएमएस) मेडिकल की कुछ ऐसी ही उपशाखाएं हैं। इन सभी में इंट्री के लिए आपको बायोग्रुप से बारहवीं होना अनिवार्य है, वहीं बीयूएमएस के लिए उर्दू का ज्ञान होना जरूरी है।

सफलता सिर्फ एक बार हासिल करने की चीज नहीं है

सफलता की विशेषताओं के बारे में जानना एवं विशेषण करना सरल है, परंतु इनको अपने व्यक्तित्व में समाहित करना एक वास्तविक चुनौती है। सफलता की विशेषताओं में सकारात्मक सोच, स्वयं पर विश्वास, साहस, लक्ष्य के प्रति समर्पण, कुशल समय प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन आदि गुण सम्मिलित होते हैं। इनसे एक सजग व्यक्ति भली-भांति परिचित होता है। हर व्यक्ति इन गुणों को स्वयं में उतारने एवं बनाए रखने का इच्छुक होता है। किंतु जब उसका वास्तविकता से सामना होता है, तो पता चलता है कि इनका अभ्यास करना कठिन है। ऐसा आकांक्षा एवं इच्छाशक्ति के बीच एक बड़ा अंतर होने की वजह से होता है। सफलता के कारकों की सूची काफी लंबी हो सकती है, यदि इनको विभिन्न शीर्षकों-उपशीर्षकों में रखा जाए, परंतु सरल बनाने के क्रम में उनको चार शीर्षकों के अंतर्गत रखना पसंद करता हूं। जिनको सफलता के पहिए की चार तीलियां कहा जा सकता है। ये हैं-मस्तिष्क, समय, ऊर्जा एवं मानवीय संबंध। ईश्वर द्वारा मनुष्य को प्रदान किए गए इन चार बेशकीमती उपहारों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन कर आप जीवन की किसी भी ऊंचाई तक पहुंच सकते हैं।

सफलता की शुरुआत आप के स्वयं की पहचान के साथ होती है। प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता, शांति एवं प्रसन्नता हासिल करने एवं उसका अभिवर्धन हासिल करने की असीम क्षमता के साथ ईश्वर का एक अद्वितीय सृजन होता है। स्वयं की क्षमता एवं अद्वितीयता की समझ एवं पहचान एक अद्भुत अनुभव है। मैक्स लुकाडो कहते हैं-आप एक दुर्घटना नहीं हो सकते। आप थोक में पैदा नहीं हुए। आप जैसे तैसे पुर्जों को जोड़कर बनाए गए उत्पाद नहीं हैं। आप सर्वशक्तिमान स्त्रष्टा द्वारा जानबूझकर नियोजित, विशिष्ट उपहार में दिए गए तथा बड़े प्यार से इस धरती पर उतारे गए हैं। हममें से हरेक व्यक्ति का इस धरती पर आने का एक उद्देश्य होता है और हर व्यक्ति में अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कुछ अद्वितीयता होती है।

सफलता की कला वास्तव में हमारे मस्तिष्क के दक्षतापूर्ण संचालन की एक कला है। यहां, यह समझना महत्वपूर्ण है कि साक्षरता एवं शिक्षा में बहुत बड़ा अंतर होता है। एक व्यक्ति बिना साक्षर हुए भी पूर्ण रूप से शिक्षित हो सकता है। अकबर महान इसका एक सर्वोत्तम उदाहरण हैं। बहुत से संत महात्मा एवं धार्मिक गुरु निरक्षर थे, किंतु वे काफी ज्ञानी थे। दूसरी ओर, हमारे देश में या विश्व में कहीं भी साक्षर और उच्च डिग्री प्राप्त लोगों की संख्या काफी अधिक है, लेकिन उन लोगों की संख्या काफी कम होती है जो उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने तथा इस विश्व को कुछ अर्थपूर्ण योगदान दे जाने के लिए वास्तविक रूप से स्वयं को शिक्षित होने का दावा करते हैं। सच्चे अर्थ में शिक्षा का सीधा संबंध आत्मबोध से होता है। अकादमिक शिक्षा हमें साक्षर और सूचनाओं एवं ज्ञान से समृध्द बना सकती है, लेकिन उनका इस्तेमाल एवं अर्थवत्ता हमारी वास्तविक शिक्षा की शक्ति पर निर्भर करती है। गैलीलियो का कहना है कि आप व्यक्ति को कुछ भी नहीं सिखा सकते। आप उसे स्वयं के अंदर ढूंढने में केवल सहायता कर सकते हैं। ईश्वर ने पहले से ही हमारे मस्तिष्क को शक्ति प्रदान कर रखी है, हमें सिर्फ इस बात की खोज करनी है कि हम अधिकतम लाभ के लिए उसका कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं। एक सच्चा शिक्षक वही है, जो अपने विद्यार्थी के मस्तिष्क की मौलिकता को मारे नहीं, बल्कि उसे आत्मानुभूति करने में सहायता प्रदान करे। मैं इस संबंध में गौतम बुध्द के दर्शन में काफी विश्वास करता हूं। वे कहते हैं कि किसी भी चीज पर तब तक विश्वास मत करो, जब तक कि वह तुम्हारे अपने विवेक एवं अपनी सहज बुध्दि को स्वीकार्य न हो, चाहे जहां से तुमने उसे पढ़ा हो, या जिसने भी कहा हो, यहां तक कि मैंने भी कहा हो।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

आरएस पुरा को जिला का दर्जा देने सहित अन्य मांगों को लेकर अपनी पार्टी ने किया प्रदर्शन

आरएस पुरा, 15 अक्टूबर (हि.स.)। उप जिला आरएस पुरा को जिला का दर्जा देने के साथ-साथ अन्य मांगों को लेकर बुधवार को जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी की तरफ से महात्मा गांधी पार्क में धरना तथा विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन की अध्यक्षता जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी के जिला ग्रामीण प्रधान एडवोकेट हरप्रीत सिंह कर रहे थे जबकि इस मौके पर जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी के संभागीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री सरदार मंजीत सिंह, महिला इकाई की संभागीय अध्यक्ष पवनीत कौर सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एवं सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विरोध प्रदर्शन के बाद जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों का ज्ञापन तहसीलदार आरएस पुरा को दिया। इस मौके पर पार्टी के संभागीय अध्यक्ष मनजीत सिंह ने कहा कि आबादी तथा क्षेत्रफल के हिसाब से आरएस पुरा क्षेत्र काफी बड़ा है जिसके चलते सरकार को जल्द से जल्द इसे जिला का दर्जा दिया जाना चाहिए ताकि लोगों को लाभ मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आरएस पुरा क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय खोला जाना चाहिए ताकि क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके।

उन्होंने कहा कि पिछले दिनों आई भयानक बाढ़ के कारण जिन किसानों की फसल को नुकसान पहुंचा था उन्हें जल्द से जल्द सरकार की तरफ से मुआवजा मिलना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने खनन पर लगी रोक को जल्द हटाने की मांग भी रखी। वहीं मनजीत सिंह ने कहा कि उनकी पार्टी जम्मू कश्मीर की दो विधानसभा सीटों में होने वाले उपचुनाव में अपने उम्मीदवार उतारेगी और पार्टी जीत भी हासिल करेगी। इस मौके पर पार्टी के जिला ग्रामीण प्रधान एडवोकेट हरप्रीत सिंह ने कहा कि क्षेत्र की ऐसी कई समस्याएं हैं जिनका कोई समाधान नहीं हो रहा है जिसके लिए जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी को सड़कों पर उतरना पड़ रहा है और अगर सरकार ने इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया तो आने वाले दिनों में भी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। एडवोकेट हरप्रीत सिंह ने कहा कि आरएस पुरा को जिला का दर्जा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आरएस पुरा क्षेत्र की बासमती पूरे विश्व में प्रसिद्ध है लेकिन किसानों को बासमती का सही दाम नहीं मिल पा रहा है जिसके चलते सरकार को बासमती पर एमएसपी लागू करने की जरूरत है।

रोल प्ले और लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन, छात्रों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

जम्मू, 15 अक्टूबर (हि.स.)। डाइट जम्मू के निर्देशानुसार, क्षेत्रीय शिक्षा कार्यालय सतवारी की ओर से उच्च विद्यालय जम्मू कैंट में रोल प्ले और लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी सतवारी जावेर नूर, जीजीएचएसएस सतवारी की प्रधानाचार्या वंदना गुप्ता, एचएम जम्मू कैंट पूनम राठौर तथा एचएम सोहांजना मनमोहन कौर सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक और छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत विभिन्न विद्यालयों के छात्रों द्वारा थीम आधारित रोल प्ले और लोक नृत्यों से हुई। बच्चों ने अपनी प्रस्तुति में अद्भुत जोश और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया जिसने सभी दर्शकों का मन मोह लिया।कार्यक्रम का संचालन जीएमएस अलोरा, सतवारी की शिक्षिका अलका शर्मा ने किया जो इस प्रतियोगिता की क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी भी हैं। जेडईओ सतवारी जावेर नूर, प्रधानाचार्या वंदना गुप्ता, एचएम पूनम राठौर और एचएम मनमोहन कौर ने अलका शर्मा के प्रयासों की सराहना की और निर्णायक मंडल सहित सभी शिक्षकों को कार्यक्रम की सफलता के लिए बधाई दी। विजेता टीमों की घोषणा भी की गई जो अब जिला स्तर पर अन्य क्षेत्रों की विजेता टीमों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगी। अंत में जेडईओ सतवारी ने कहा कि विद्यार्थियों का पहला लक्ष्य एक अच्छा इंसान बनना होना चाहिए। कार्यक्रम के समापन पर सभी अतिथियों, शिक्षकों और छात्रों को जलपान कराया गया।

बीआईएस ने मानक महोत्सव के साथ मनाया गुणवत्ता और नवाचार का उत्सव

जम्मू, 15 अक्टूबर (हि.स.)। भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), जम्मू-कश्मीर शाखा कार्यालय (जेकेबीओ) ने विश्व मानक दिवस 2025 के उपलक्ष्य में मानक महोत्सव का आयोजन शेर-ए-कश्मीर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एसकेआईसीसी), श्रीनगर में किया। इस आयोजन में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 450 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जम्मू-कश्मीर के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के आयुक्त/सचिव, सौरभ भगत थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि औद्योगिक विकास और उपभोक्ता विश्वास को मजबूत करने के लिए सख्त गुणवत्ता नियंत्रण, प्रमाणन और उपभोक्ता सुरक्षा अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि मानक नवाचार, सुरक्षा और स्थिरता की नींव हैं। जम्मू-कश्मीर के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों को अपनाना प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और सतत आर्थिक विकास को गति देने के लिए आवश्यक है। उन्होंने क्षेत्रीय उत्पादों विशेष रूप से लकड़ी से बने सामान और पारंपरिक हीटिंग उपकरणों के मानकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया ताकि उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक बाजारों में पहचान मिल सके। विश्व मानक दिवस 2025 का विषय एक बेहतर विश्व के लिए एक साझा दृष्टिकोण- सतत विकास लक्ष्य 17 पर प्रकाश - लक्ष्यों के लिए साझेदारी था जो संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में मानकीकरण की अहम भूमिका को दर्शाता है बीआईएस-जेकेबीओ के निदेशक एवं प्रमुख तिलक राज ने संगठन की गुणवत्ता की संस्कृति को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि बीआईएस यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है कि गुणवत्ता हर उत्पाद और सेवा का अभिन्न अंग बने।

भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीले पदार्थ जब्त, कई लोग गिरफ्तार

श्रीनगर, 15 अक्टूबर (हि.स.)। श्रीनगर पुलिस ने भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीले पदार्थ जब्त किए हैं और मादक पदार्थों की तस्करी के सिलसिले में कई लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने बताया कि शहर भर में कई समन्वित अभियानों के तहत ये जब्तियाँ की गई जिसके परिणामस्वरूप कई प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। नशीले पदार्थों से संबंधित अपराधों में बरामदगी के बारे में जानकारी देते हुए अधिकारी ने बताया कि शाल्टेंग पुलिस स्टेशन ने मुजगुंड के दिलावर कॉलोनी स्थित एक घर से 36.770 किलोग्राम गांजा बरामद किया। आरोपी व्यक्तियों जहाँगीर अहमद डार और मोहम्मद रफीक डार जो स्वर्गीय अब्दुल रहमान डार के पुत्र हैं को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर संख्या 75/2025 के तहत गिरफ्तार किया गया है। एनडीपीएस अधिनियम की इसी एफआईआर संख्या 75/2025 के तहत एक अलग मामले में पुलिस ने दिलावर कॉलोनी निवासी मोहम्मद अल्ताफ डार पुत्र गैर अहमद डार के घर स्थित एक गौशाला की अटारी से 11.500 किलोग्राम अतिरिक्त गांजा बरामद किया। ड्रग तस्कर को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने आगे बताया कि पंथाचौक थाना पुलिस ने बलहामा निवासी मकसूद अहमद मीर से प्रतिबंधित नशीली दवा क्लोनाज़ेपम की भारी मात्रा जब्त की। आरोपी व्यक्ति को एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 78/2025 के तहत गिरफ्तार किया गया है। इसी तरह नौगाम थाना पुलिस ने गनी मोहल्ला, वागूरा निवासी खजीर मोहम्मद शेख से चावल के तीन बैगों में छिपाकर रखी गई 16 किलोग्राम चरस बरामद की। इस संबंध में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 के तहत एफआईआर संख्या 155/2025 दर्ज की गई है और ड्रग तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया है। एफआईआर संख्या 156/2025 के तहत गनी मोहल्ला वागूरा निवासी मेहराज-उद-दीन गनी को नीले प्लास्टिक के ड्रम में रखे 15 किलोग्राम चरस पाउडर के साथ गिरफ्तार किया गया। इस मामले में ड्रग तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारी ने बताया कि सभी छह व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे और पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जाँच जारी है। पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क को ध्वस्त करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और जनता से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने का आह्वान किया।

सरकारी कर्मचारियों व जनप्रतिनिधियों से 'अतिक्रमण-रहित प्रमाण पत्र' लेने की मांग : राजीव चाढक

जम्मू, 15 अक्टूबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू-कश्मीर के प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव चाढक ने कहा कि जैसे सरकार अपने कर्मचारियों से हर वर्ष बिजली और पानी शुल्क जमा करने का प्रमाण पत्र मांगती है, वैसे ही अब उनसे अतिक्रमण-रहित प्रमाण पत्र भी अनिवार्य रूप से लिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह कदम प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा सुधार साबित होगा। चाढक ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में वन, राजस्व और अन्य सरकारी विभागों की जमीनों पर लगातार अतिक्रमण बढ़ रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक सरकारी कर्मचारी और अधिकारी से यह प्रमाण पत्र लिया जाए कि उनका आवास या निर्माण किसी सरकारी या संरक्षित भूमि पर नहीं है। इस सत्यापन की विधिवत जांच होनी चाहिए ताकि किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो।

NOTICE

I Mohd asif S/o Sagote Rajouri. Lost of my passport bearing no AA864739 on 12.10.2025 at around 3.00 Pm in district Rajouri objection if any may be conveyed to the concerned authority within seven days from the date of publication of this falling

'पंचायत स्तर पर खोले जाने चाहिए सरकारी धान खरीद केंद्र'

आरएस पुरा, 15 अक्टूबर (हि.स.)। भारतीय किसान संघ के पूर्व महासचिव एवं किसान नेता सुभाष दसगोत्रा ने सरकार से मांग करते हुए कहा है कि जिला जम्मू में पंचायत स्तर पर सरकारी धान खरीद मंडियां खोली जानी चाहिए ताकि किसान अपनी फसल की बिक्री कर सकें। आज एक पत्रकार वार्ता के दौरान किसान नेता ने कहा कि क्षेत्र में धान की कटाई का कार्य शुरू हो चुका है। ऐसे में सरकार को पंचायत स्तर पर सरकारी धान खरीद केंद्र खोलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर कोऑपरेटिव स्टोर उपलब्ध हैं जहां पर धान को रखा जा सकता है। किसान नेता ने कहा कि इससे पहले भी उनकी तरफ से लगातार मांग उठाई जा चुकी है कि पंचायत स्तर पर किसानों से फसल ली जानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने जम्मू संभाग की बासमती को एमएसपी के अधीन लाने की मांग भी रखी ताकि किसानों को बासमती का सही दाम मिल सके। उन्होंने कहा कि किसानों को बासमती का सही दाम न मिलने के कारण किसानों को हर वर्ष नुकसान उठाना पड़ता है। पत्रकार वार्ता के दौरान अन्य लोग भी मौजूद रहे। वहीं कृषि विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आरएस पुरा क्षेत्र में दो धान खरीद केंद्र खोले जा चुके हैं जो की एक गांव खोड तथा सई में खोला गया है जहां पर किसान अपनी फसल की बिक्री कर सकते हैं।

साइबर सुरक्षा एवं संरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम किया आयोजित

जम्मू, 15 अक्टूबर (हि.स.)। रिच हार्वेस्ट स्कूल ने दूरसंचार विभाग के सहयोग से साइबर सुरक्षा एवं संरक्षा पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति आशुतोष गुप्ता सहायक महानिदेशक सुरक्षा, शुभांशु अवस्थी सहायक निदेशक दूरसंचार विभाग और मृदुल गुप्ता दूरसंचार अधिकारी शामिल थे।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और कर्मचारियों को आज के डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा एवं संरक्षा के महत्व के बारे में शिक्षित करना था। संसाधन व्यक्तियों ने ऑनलाइन धोखाधड़ी, फ़िशिंग और डेटा उल्लंघनों सहित साइबर खतरों से खुद को बचाने के लिए बहुमूल्य जानकारी और सर्वोत्तम अभ्यास साझा किए।

इन संवादात्मक सत्रों और चर्चाओं ने डिजिटल दुनिया में सतर्कता और जिम्मेदार व्यवहार की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद की।

कृषि विभाग की ओर से आयोजित किया गया शिविर

जम्मू, 15 अक्टूबर (हि.स.)। आज कृषि विभाग की ओर से जम्मू जिले के भलवाल जोन के ब्लॉक मथवार की पंचायत केरी में आरएडी के तहत एक शिविर का आयोजन किया गया। इसमें किसानों को मुफ्त स्प्रे पंप के अलावा खाद का वितरण भी किया गया।

इस मौके पर कृषि अधिकारी एईए सुरेश चौहान ने किसानों को विभिन्न स्कीमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने किसानों को मुख्य रूप से जैविक खेती अपनाने की बात कही।

किसानों ने भी इस कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर भाग लिया और कृषि अधिकारी सुरेश चौहान की तारीफ की और कृषि विभाग जम्मू का इसके लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में जेएईओ मितुल गुप्ता और एईए विजय स्लारिया मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना सं. :– **770-W/01/WA/JAT/2025-29-25-2025-26-DRM-JAT, 30-2025-26-DRM-JAT, 35-2025-26-DRM-JAT, 36-2025-26-DRM-JAT, 38-2025-26-DRM-JAT, 40-2025-26-DRM-JAT & 41-2025-26-DRM-JAT (to be opened on 06.11.2025)**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्य करते हुए नीचे दिए गए शीर्षक वाली निविदाओं के विरूद्ध खुली निविदाएं (ई–निविदाएं) आमंत्रित करती हैं और **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं, जिनकी अंतिम तिथि 06.11.2025 को 15:00 बजे तक है। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल समापन तिथि और समय तक ही जमा कर सकेंगे, इन निविदाओं के विरूद्ध मैन्युअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है और प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। ठेकेदारों को इस निविदा के विरूद्ध निविदा दस्तावेज लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलबध भुगतान विधियों जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से करने की अनुमति है।

क्र. सं.	निविदा संख्या	निविदा का विवरण		
1	29-2025-26-DRM-JAT	सहायक मंडल अभियन्ता पठानकोट के अंतर्गत आर.डी.एस.ओ. विनिर्देशों के अनुसार रेलों का ए.टी. वेल्डिंग इन–सितू का कार्य।		
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	ऑफर की वैधता	समाप्ति की अवधि	
	5493563.69	60 दिन	12 माह	
2	30-2025-26-DRM-JAT	सहायक मंडल अभियन्ता पठानकोट के अधिकार क्षेत्र में समपार फाटकों पर पुराने यांत्रिक उठाने वाले अवरोधक (लिफ्टिंग बैरियर) को बदलने का कार्य।		
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	ऑफर की वैधता	समाप्ति की अवधि	
	11825079.84	60 दिन	12 माह	
3	35-2025-26-DRM-JAT	सहायक मंडल अभियन्ता पठानकोट के अंतर्गत वरिष्ठ अनुभाग अभियन्ता पठानकोट के अधिकार क्षेत्र में रेलवे स्वास्थ्य इकाई कार्यालय, वरिष्ठ अनुभाग इंजीनियर रेल पथ कार्यालय, पावर हाउस और अन्य स्टाफ आवासों की टपकती छतों की मरम्मत एवं पुराने और खराब दरवाजों व खिड़कियों के प्रतिस्थापन का कार्य।		
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	ऑफर की वैधता	समाप्ति की अवधि	
	6499260.59	60 दिन	09 माह	
4	36-2025-26-DRM-JAT	सहायक मंडल अभियन्ता पठानकोट के अंतर्गत वरिष्ठ अनुभाग अभियन्ता मुकेरियाँ के खंड में सेवा भवन और स्टेशन भवन की विशेष मरम्मत और रखरखाव का कार्य		
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	ऑफर की वैधता	समाप्ति की अवधि	
	7461864.79	60 दिन	09 माह	
5	38-2025-26-DRM-JAT	सहायक मंडल अभियन्ता जम्मू तवी के अंतर्गत वरिष्ठ अनुभाग अभियन्ता कठुआ के अधिकार क्षेत्र में प्लेटफार्म नंबर–1 पर नया शौचालय ब्लॉक निर्माण का कार्य।		
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	ऑफर की वैधता	समाप्ति की अवधि	
	5388670.47	60 दिन	06 माह	
6	40-2025-26-DRM-JAT	सहायक मंडल अभियन्ता जम्मू तवी के अंतर्गत वरिष्ठ अनुभाग अभियन्ता जम्मू तवी के खंड में सेवा भवन और स्टेशन भवन (जम्मू तवी को छोड़ कर) की विशेष मरम्मत और रखरखाव का कार्य		
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	ऑफर की वैधता	समाप्ति की अवधि	
	7988211.08	60 दिन	12 माह	
7	41-2025-26-DRM-JAT	सहायक मंडल अभियन्ता जम्मू तवी के अधिकार क्षेत्र में समपार फाटकों पर पुराने यांत्रिक उठाने वाले अवरोधक (लिफ्टिंग बैरियर) को बदलने का कार्य।		
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	ऑफर की वैधता	समाप्ति की अवधि	
	5999977.79	60 दिन	09 माह	

नोट : 1. ठेकेदारों को सलाह दी जाती है कि वे बोलियां प्रस्तुत करने से पहले इस निविदा के विरूद्ध जारी किसी भी शुद्धिपत्र के लिए आईआरईपीएस वेबसाइट देखें। 2. यदि हिंदी विज्ञापन में कोई त्रुटि पाई जाती है, तो अंग्रेजी विज्ञापन मान्य होगा। 3181/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सेना ने आर्मी गुडविल स्कूल पोथा पुंछ में वार्षिक खेल दिवस का किया आयोजन

पुंछ, 15 अक्टूबर (हि.स.)। ऑपरेशन सद्भावना के तहत आर्मी गुडविल स्कूल (पोथा ने अपने वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सभी कक्षाओं के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और 50 मीटर दौड़, रस्साकशी, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, जलेबी दौड़, ट्रिपल जंप, सैक रेस और खो-खो सहित विभिन्न प्रकार की एथलेटिक और टीम स्पर्धाओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिताओं में ऊर्जा, अनुशासन और खेल भावना का उच्च स्तर देखने को मिला और प्रत्येक प्रतिभागी ने उल्लेखनीय उत्साह और टीम भावना का प्रदर्शन किया। विजेताओं को व्यक्तिगत उत्कृष्टता और सामूहिक प्रयास दोनों के लिए पदक और पुरस्कार प्रदान किए गए। दो दिवसीय समारोह में कुल 398 छात्रों और 26 कर्मचारियों ने भाग लिया। एजीएस पोथा के प्रधानाचार्य और आसपास के स्कूलों के कर्मचारियों ने इस अवसर पर उपस्थित होकर छात्रों की लगन, दृढ़ता और प्रतिस्पर्धात्मक भावना की सराहना की। इस कार्यक्रम ने न केवल युवा विद्यार्थियों की खेल प्रतिभा को उजागर किया बल्कि ऑपरेशन सद्भावना के तहत समग्र शिक्षा के मूल स्तंभों, अनुशासन, टीम वर्क और लचीलेपन के मूल्यों को भी पुष्ट किया।

जीजीएम साइंस कॉलेज, जम्मू में विश्व सांख्यिकी दिवस सप्ताह का शुभारंभ

जम्मू, 15 अक्टूबर (हि.स.)। जीजीएम साइंस कॉलेज, जम्मू ने कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में विश्व सांख्यिकी दिवस मनाने के लिए सप्ताहभर चलने वाली गतिविधियों की शुरुआत की। कार्यक्रम का शुभारंभ सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता से हुआ, जिसका विषय था सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण सांख्यिकी और डेटा। गौरतलब है कि इस विभाग की स्थापना वर्ष 2025 में हुई थी। यह डेटा विज्ञान और सांख्यिकीय विश्लेषण के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित है। विभाग द्वारा चलाए जा रहे लघु और कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों में विश्लेषणात्मक और मात्रात्मक दक्षता का विकास करना है। कार्यक्रम की शुरुआत में विभागाध्यक्ष डॉ. पंकज गुप्ता ने मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता, संकाय सदस्यों और छात्रों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन आधुनिक समाज में सांख्यिकीय साक्षरता और डेटा गुणवत्ता के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं। अपने मुख्य संबोधन में प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता ने सभी विषयों में सांख्यिकी के बढ़ते महत्व पर बल दिया और विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने छात्रों को विश्लेषणात्मक सोच अपनाने और सटीकता व ईमानदारी के साथ सांख्यिकीय पद्धतियों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता में छात्रों ने विभिन्न क्षेत्रों में सांख्यिकी के महत्व को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। निर्णायक मंडल में प्रो. बालकृष्णन, डॉ. नेहा महाजन और डॉ. अरुण शर्मा शामिल थे। परिणामस्वरूप उर्वशी और तैशी दोरजा ने प्रथम, विशाल कुमार ने द्वितीय तथा रिदम शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि नितन कुमार को सांत्वना पुरस्कार मिला।

श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय में बीपीए अभिविन्यास सत्र आयोजित

जम्मू, 15 अक्टूबर (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) में व्यावसायिक गतिविधियों के बोर्ड (बीपीए) के लिए अभिविन्यास सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों, विशेष रूप से प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों, को बीपीए की संरचना, उद्देश्यों और आगामी सत्र में नियोजित विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना था। सत्र की अध्यक्षता बीपीए के अध्यक्ष डॉ. अंकुश रैना ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बीपीए छात्रों के व्यावसायिक विकास, रचनात्मकता और नेतृत्व कौशल को विकसित करने का एक प्रभावी मंच है। उन्होंने बताया कि बोर्ड के तहत विभिन्न क्लबों और गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी से छात्रों के तकनीकी, प्रबंधकीय और पारस्परिक कौशल में वृद्धि होती है। डॉ. रैना ने बोर्ड की प्रमुख पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि एसएई बीएजेए प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रम छात्रों को इंजीनियरिंग डिजाइन और नवाचार कौशल दिखाने का अवसर प्रदान करते हैं, जबकि वार्षिक उत्सव 'एकत्व' एकता, टीमवर्क और सृजनात्मकता का उत्सव है। कार्यक्रम में विभिन्न क्लबों के संकाय सलाहकार और छात्र समन्वयक भी उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों को अपने क्लबों की गतिविधियों और उनमें उपलब्ध सीखने एवं नेतृत्व के अवसरों के बारे में जानकारी दी।

UNION TERRITORY OF JAMMU AND KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER JAL SHAKTI DEPARTMENT
PHE MECHANICAL DIVISION SOUTH JAMMU
NOTICE INVITING TENDER
e-NIT PHEJ/MS/68 of 2025-26 Dated 14-10-2025

Executive Engineer PHE Mechanical Division South Jammu, on behalf of Lieutenant Governor of Union Territory of Jammu & Kashmir, invites tenders by e-tendering mode from registered/ reputed firms.

Name of the Work	Name of the Division	Cost of Tender Document/Tender Fee(In Rs)	Earnest Money Deposit (EMD)	Validity of Rates
1	2	3	4	5
Repairs to 100 KVA manually operated Voltage stabilizer along with allied works at Tubewell University Boys Hostel under Non Plan	PHE Mech. Division South Jammu	Rs. 200.00 (Non-Refundable) In the shape of e-challan/single window challan of JMC pledged to Executive Engineer, Jal Shakti Mech. Division South Jammu/tender fee receipt through online payment through the JMC link http://www.jmcjammu.org/online-payment.html	@ 2% of estimated cost/ tender value In the shape of CDR/FDR pledged to Executive Engineer, Jal Shakti PHE Mechanical Division South Jammu	Bid shall be valid for 180 days

1) Bid documents can be seen at and downloaded from the website http://jktenders.gov.in from 15-10-2025 (11:00 AM) and uploaded from 16-10-2025 (10:00 AM) to 28-10-2025 (3:00 PM). The complete bidding process will be online http://jktenders.gov.in.
2) Bids must be accompanied by EMD and cost of Tender Document as specified in column 3 & 4 of the table.
3) The bid shall remain open for acceptance for a period of 180 days from the date of opening of bids. If any bidder/ tenderer withdraws his bid/ tender before the said period or makes any modifications in the terms and conditions of the bid, the tenderer shall be debarred from participating in tendering process for a period of 1 year.
4) The Technical Bids of the tender document received shall be opened online in the office of Executive Engineer Jal Shakti Department PHE Mechanical Division South Jammu on 29-10-2025 at 3:00 P.M or any other day convenient to the Ex. Engineer in the Office chambers of Executive Engineer, PHE Mechanical Division South Jammu.
5) The Financial Bids of the tender document of the qualified bidders shall also be opened online in the office of the Executive Engineer Jal Shakti Department PHE Mechanical Division South Jammu during office hours and shall be communicated separately.
6) Cost of bidding document in shape of e-challan/single window challan of JMC pledged to Executive Engineer, Jal Shakti Mech. Division South Jammu/tender fee receipt through online payment through the JMC link http://www.jmcjammu.org/online-payment.html
7) The original instruments in respect of cost of document, EMD in the shape of CDR/FDR and other relevant document of L1 bidder will be required to be submitted to the Executive Engineer Jal Shakti Mech. Division South Jammu within 05 days after opening of financial bids on line. No separate intimation about opening of financial bids will be sent by this office / by the tender opening authority. In case the original documents are not submitted by the L1 bidder within 05 days after opening of financial bid, the tender will be cancelled and the bidder will not be allowed to participate in any further / future tendering process in the division for a period of one year.
8) Other details can be seen inside the detailed tender document.

No: PHEJ/MS/3207-11 Dated:- 14-10-2025

Sd/-
A.E.E
Sub Div-I

DIP/J-6918/25
Dtd: 15-10-2025

Sd/-
Executive Engineer
Jal Shakti (PHE) Division South Jammu

संपादकीय

सभी के लिए खाद्य सुरक्षा

विश्व खाद्य दिवस, जो प्रतिवर्ष 16 अक्टूबर को मनाया जाता है, इस बात की याद दिलाता है कि खाद्य असुरक्षा और कुपोषण हमेशा मौजूद रहते हैं। यह एक वैश्विक परिघटना बन गई है कि जलवायु परिवर्तन, भू-राजनीतिक संघर्षों और खाद्य पदार्थों की कीमतों में लगातार वृद्धि के कारण, खाद्य असुरक्षा कम होने के बजाय, हर गुजरते दिन के साथ और भी भयावह होती जा रही है।

देश भर में और जम्मू-कश्मीर में भी स्थिति उतनी आशाजनक नहीं है क्योंकि भारत कई फसलों का प्रमुख उत्पादक होने के बावजूद, इसकी आबादी का एक बड़ा हिस्सा केंद्र सरकार द्वारा मासिक आधार पर मुफ्त में दिए जाने वाले खाद्य पदार्थों पर निर्भर है, जो वास्तविकता की एक भयावह तस्वीर पेश करता है, जो कई लोगों के लिए वास्तव में महत्वपूर्ण है क्योंकि बुनियादी आहार से भरी थाली अभी भी भारत भर में हजारों लोगों के लिए एक विलासिता है।

यह एक कटु सत्य है कि आज भी बड़ी संख्या में लोगों को दो जून का भोजन जुटाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है, जबकि घरों, रेस्टोरेंट और आयोजनों में हर दिन टनों खाद्य पदार्थ बर्बाद होते रहते हैं।

इस विकट परिस्थिति को देखते हुए, जो हृदयविदारक और तार्किक सोच रखने वालों के लिए अस्वीकार्य है, अब समय आ गया है कि भारत के लोग एक भी दाना बर्बाद न करने और सभी खाद्य संस्थाओं के साथ सावधानी, कृतज्ञता और ज़िम्मेदारी से पेश आने का संकल्प लें, क्योंकि कई लोगों के लिए तो यह सबसे कम संभव उपाय है।

हालाँकि, भारत के अन्न भंडार अनाज से लबालब भरे हुए हैं, लेकिन इससे सभी को भोजन सुनिश्चित नहीं होता, इसलिए इस विश्व खाद्य दिवस पर सरकार के लिए यह ज़रूरी है कि वह सही दिशा में कदम उठाए ताकि देश में कोई भी बिना भोजन के भूखा न रहे।

कुल मिलाकर, अब समय आ गया है कि हम न केवल जागरूकता बढ़ाएँ, बल्कि सामूहिक रूप से भोजन की बर्बादी रोकने और इस संस्था के मूल्य का सम्मान करने का संकल्प भी लें, क्योंकि यह पृथ्वी को समृद्ध बनाने और हर व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराने की पूर्वापेक्षा है, जो जीवन के निर्वाह के लिए आवश्यक है।

यह समय की मांग है कि जो भी कल विश्व खाद्य दिवस मनाएगा, उसे यह संदेश फैलाना चाहिए और यह सुनिश्चित करने के लिए काम करना चाहिए कि सभी को हर अनाज का मूल्य समझना चाहिए, बर्बादी को रोकना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी भूखा न सोए, क्योंकि यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि विभिन्न तरीकों से बर्बाद किया गया भोजन किसी और की जीवन रेखा हो सकता है।

नये युग में भारत और अफगानिस्तान संबंध

अफगान विदेश मंत्री ने जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बताया जिससे पाकिस्तान को इतनी चोट पहुंची कि उसने अफगानिस्तान पर हमला कर दिया। फिर अफगानिस्तान ने पलटवार करते हुए पाकिस्तान के 58 सैनिकों को मारने का दावा किया और उनकी कई चौकियों पर कब्जा कर लिया।

मृत्युंजय दीक्षित

अंतरराष्ट्रीय सम्बन्धों में कोई स्थाई मित्र या शत्रु नहीं होता, सभी राष्ट्र समय और परिस्थितियों के अनुसार पारस्परिक व्यवहार करते हैं। इस समय भारत के लिए सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण अफगानिस्तान में तालिबान का शासन है। तालिबान की पहचान आतंकी संगठन की है किन्तु अफगानिस्तान की तालिबान सरकार अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने के लिए वैश्विक जगत से संवाद स्थापित कर रही है। अभी तक तालिबान सरकार को केवल रूस ने ही मान्यता दी है। इस बीच अफगानिस्तान के तालिबान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी सात दिन की भारत यात्रा पर हैं यद्यपि भारत ने अभी तक तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है और वह काफी फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है।

भारत में मुत्ताकी के अनेक कार्यक्रम हो रहे हैं। वह उप्र में मुसलमानों की संस्था दारुल उलूम देवबंद गए, उनकी दो पत्रकार वार्ताएं भी हो चुकी हैं जिसमें पहली पत्रकार वार्ता में महिला पत्रकारों को प्रवेश न मिलने के कारण विवादों आ गई जिससे अफगानी विदेश मंत्री को दूसरी पत्रकार बुलानी पड़ी जिसमें महिला पत्रकार भी आमंत्रित थीं।

अफगान विदेश मंत्री की इस यात्रा से भारत ने दक्षिण एशिया में पाकिस्तान के विरुद्ध अपना एक नया समर्थक बनाया है। मुत्ताकी की भारत यात्रा से भारत ने एक कूटनीतिक बढ़त यह प्राप्त कर ली है। संयुक्त बयान में अफगानिस्तान ने अप्रैल में जम्मू -कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए भारत की जनता व सरकार के प्रति संवेदना व एकजुटता व्यक्त की है । भारत और अफगानिस्तान के बयान में दोनों पक्षों ने

क्षेत्रीय देशों से उत्पन्न सभी आतंकवादी कृत्यों की स्पष्ट रूप से निंदा की और क्षेत्र में शांति स्थिरता एवं आपसी विश्वास को बढ़ावा देने के महत्व पर बल दिया है।

अफगान विदेश मंत्री ने जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बताया जिससे पाकिस्तान को इतनी चोट पहुंची कि उसने अफगानिस्तान पर हमला कर दिया। फिर अफगानिस्तान ने पलटवार करते हुए पाकिस्तान के 58 सैनिकों को मारने का दावा किया और उनकी कई चौकियों पर कब्जा कर लिया।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अफगान विदेश मंत्री मुत्ताकी की मुलाकात के बाद बयान जारी किया गया कि भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते सदियों पुराने हैं तथा इन संबंधों को और मजबूत किया जाएगा। भारत ने काबुल स्थित दूतावास फिर से खोलने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह वही तालिबान सरकार है जिस पर कभी कोई भरोसा नहीं कर रहा था। जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अफगानिस्तान से अपनी सेनाओं को वापस बुलाने और अफगानिस्तान की सत्ता तालिबान को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया था उस समय दक्षिण एशिया में भय, आतंक, चिंता व निराशा का वातावरण उत्पन्न हो गया था कि अब क्या होगा ?

अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी पर चीन और पाकिस्तान बहुत खुश थे। दोनों देशों को लगा कि अब अफगान सरकार उसके कहने पर चलेगी। पाकिस्तान ने सोचा कि वह तालिबान की मदद से जम्मू-कश्मीर को हथिया कर वहां शरिया कानून लागू करा देंगे। किंतु समय बदलने के साथ पाकिस्तान की यह योजना पूरी तरह से धराशायी गयी। आज भारत के तालिबान से सम्बन्ध बेहतर हैं क्योंकि भारत केवल राष्ट्र प्रथम को ध्यान में रख कर चल रहा।

सामारिक, आर्थिक, राजनैतिक व मानवीय दृष्टिकोण से भारत का अफगानिस्तान के साथ रिश्ते सुधारना राष्ट्रहित में है। वहां से हिंदू व सिख समाज के लोग अपना कारोबार, संपत्ति और जायदाद आदि छोड़ कर आए हैं। अफगानी विदेश मंत्री मुत्ताकी से भारत ने यह कहलवा लिया है कि अब कोई भी ताकत अफगान की धरती का उपयोग भारत के खिलाफ नहीं कर सकेगी। इसका स्पष्ट इशारा पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई की ओर था।

तालिबान विदेश मंत्री मुत्ताकी की भारत यात्रा के लिए काफी समय से होमवर्क किया जा रहा था। जनवरी में ही तालिबान शासन और भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कई दौर की वार्ता हो चुकी थी, जिसके बाद मुत्ताकी ने भारत को अहम क्षेत्रीय और आर्थिक शक्ति बताया था।

यह सर्वविदित तथ्य है कि भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते अत्यंत लंबे समय से प्रगाढ़ रहे हैं और अफगानिस्तान के कठिन समय में भारत ने सदा उसकी सहायता की है। तालिबान शासन आने के बाद भी जब वहां पर विनाशकारी भूकंप आया तब भारत अफगान नागरिकों के साथ खड़ा रहा। अफगान विदेश मंत्री और भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की मुलाकात के बाद अफगानिस्तान को 20 एम्बुलेंस देने के साथ ही वहां की आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने के लिए भारत ने सहायता की घोषणा की है।

यदि भारत अफगानिस्तान में अपना दूतावास खोलता है तो वहां से पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियों पर सूक्ष्म दृष्टि रख सकेगा। तालिबान शासन से मैत्री इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस समय भारत के सभी पड़ोसी देश अस्थिरता का शिकार हैं। ऐसे में सामरिक दृष्टिकोण से एक नया मार्ग खोलना अति आवश्यक हो गया है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ब्रह्मपुत्र हाइड्रो प्रोजेक्ट- चीन को भारत का करारा जवाब

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

वैश्विक राजनीतिक और रणनीतिक परिदृश्य लगातार बदल रहा है। सीमाएँ सिर्फ भौगोलिक दृष्टि से ही नहीं, वे ऊर्जा, जल और सुरक्षा की दृष्टि से भी अहमियत रखती हैं। ऐसे समय में, जब कोई पड़ोसी देश भारत के लिए दबाव या चुनौती उत्पन्न करता है, जैसे कि चीन द्वारा ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपरी हिस्से पर बड़े बांध बनाने का कार्य हो, तब प्रतिक्रिया केवल कूटनीतिक बयानबाजी या आलोचना तक सीमित नहीं होनी चाहिए। वास्तविक रणनीति वह है जो दीर्घकालिक, ठोस और आत्मनिर्भर हो। अच?छी बात है कि यही दृष्टिकोण आज भारतीय नीति निर्माताओं द्वारा अपनाया जाना सामने आ रहा है।

चीन की ओर से तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी (स्थानीय नाम यारलुंग जांगबो) के ऊपरी हिस्से में बड़े बांध विकसित किए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं से भारत के लिए जल प्रवाह में कमी, बाढ़ नियंत्रण में मुश्किलें और संभावित सामरिक खतरे पैदा हो सकते हैं। जल बम के रूप में इनका इस्तेमाल युद्ध की स्थिति में संभव है। इन सभी खतरों को ध्यान में रखते हुए, भारत ने ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन पर लगभग 76 गीगावाट की जलविद्युत क्षमता विकसित करने के लिए 6.4 ट्रिलियन रुपये की योजना तैयार की है। यह परियोजना केवल ऊर्जा उत्पादन तक सीमित नहीं है; यह राष्ट्रीय सुरक्षा, क्षेत्रीय विकास और रणनीतिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण है।

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) की रिपोर्ट के अनुसार, यह योजना 12 उप-बेसिनों में 208 बड़ी पनबिजली परियोजनाओं का निर्माण करेगी। इन परियोजनाओं में कुल मिलाकर 64.9 गीगावाट विद्युत उत्पादन और 11.1 गीगावाट पंप भंडारण क्षमता शामिल है। पंप भंडारण क्षमता का महत्व इसलिए है क्योंकि यह ऊर्जा की मांग और आपूर्ति में असंतुलन को संतुलित करने में सहायक होती है।

पूर्वोत्तर राज्यों में ब्रह्मपुत्र बेसिन की भौगोलिक स्थिति इस योजना को और अधिक रणनीतिक बनाती है। अरुणाचल प्रदेश, असम, सिक्किम, मिजोरम, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड और पश्चिम बंगाल के हिस्सों में फैला यह बेसिन ऊर्जा उत्पादन के लिए अपार संभावनाएँ रखता है। विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश में उपलब्ध अप्रयुक्त पनबिजली क्षमता लगभग 52 प्रतिशत है। इसका अर्थ यह है कि यदि इस योजना को सफलतापूर्वक लागू किया जाता है, तो भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए काफी हद तक आत्मनिर्भर बन सकता है।

तकनीकी दृष्टि से परियोजना में जल प्रवाह का नियंत्रण, पंप भंडारण और सतत विद्युत उत्पादन पर विशेष ध्यान दिया गया है। चीन के बांधों द्वारा पानी की आपूर्ति पर संभावित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, भारत की योजना उच्च क्षमता वाले पनबिजली संयंत्रों और स्मार्ट ग्रिड नेटवर्क के माध्यम से स्थिर ऊर्जा उत्पादन सुनिश्चित करेगी। इससे पूर्वोत्तर में न केवल ऊर्जा संकट कम होगा, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

आर्थिक दृष्टि से इस परियोजना का पहला चरण 2035 तक पूरा होगा, जिसमें लगभग 1.91 ट्रिलियन रुपये का निवेश होगा। दूसरा चरण 4.52 ट्रिलियन रुपये की लागत से पूरा किया जाएगा। यह निवेश केवल ऊर्जा उत्पादन तक सीमित नहीं है। इससे पूर्वोत्तर राज्यों में रोजगार सृजन, बुनियादी ढांचे का विकास, और स्थानीय आर्थिक समृद्धि को भी बढ़ावा मिलेगा। एनएचपीसी, नीपको और एसजेवीएन जैसी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियाँ इस परियोजना में शामिल हैं, जो इसे सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने में सक्षम हैं।

परियोजना का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि ये भारत के पर्यावरणीय और ऊर्जा लक्ष्य से मेल खाती है। भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा उत्पादन और 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है। ब्रह्मपुत्र हाइड्रो प्रोजेक्ट इन लक्ष्यों की दिशा में केंद्रीय भूमिका निभा सकता है। पनबिजली परियोजनाओं के माध्यम से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होगी और सतत ऊर्जा उत्पादन सुनिश्चित होगा।

रणनीतिक दृष्टि से यह परियोजना यह संदेश देती है कि भारत किसी भी बाहरी दबाव या चुनौती के सामने कमजोर नहीं है। चीन के बांधों से उत्पन्न संभावित खतरों का उत्तर केवल विरोध या कूटनीतिक कदम से नहीं, ठोस, दीर्घकालिक और तकनीकी रूप से सक्षम योजना के माध्यम से दिया जा रहा है। यह दृष्टिकोण किसी भी वैश्विक शक्ति संतुलन के परिदृश्य में भारत की स्थिति को मजबूत करता है। इतिहास में इस तरह के अनेक उदाहरण मौजूद हैं, जब किसी देश ने प्रतिकूल परिस्थितियों या दबाव के सामने ठोस रणनीति अपनाई और दीर्घकालिक रूप से लाभ प्राप्त किया। भारत की यह योजना उसी सिद्धांत को स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि किसी भी चुनौती या खतरे के उत्तर में दीर्घकालिक योजना, आत्मनिर्भरता और ठोस क्रियान्वयन ही वास्तविक समाधान हैं

।पूर्वोत्तर राज्यों में बिजली की बढ़ती मांग और स्थानीय विकास की आवश्यकता इस परियोजना को और भी महत्वपूर्ण बनाती है। उच्च क्षमता वाली पनबिजली परियोजनाओं और पंप भंडारण संयंत्रों के निर्माण से न केवल स्थिर ऊर्जा सुनिश्चित होगी, बल्कि ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में बुनियादी ढांचे का विकास भी होगा। इसके अलावा, जल संसाधनों का सतत और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। सामरिक दृष्टि से, ब्रह्मपुत्र हाइड्रो प्रोजेक्ट यह स्पष्ट संदेश देता है कि भारत किसी भी बाहरी शक्ति द्वारा उत्पन्न संकट का सामना करने में सक्षम है। यह केवल ऊर्जा उत्पादन की दिशा में कदम नहीं है, राष्ट्रीय संकल्प और रणनीतिक स्थिरता का प्रतीक भी है। किसी भी दबाव या धमकी के उत्तर में सिर्फ विरोध करना पर्याप्त नहीं; वास्तविक प्रभावी प्रतिक्रिया वह है जो दीर्घकालिक, रणनीतिक और ठोस हो।

अंतत:, ब्रह्मपुत्र हाइड्रो योजना यह प्रमाणित करती है कि किसी भी बाहरी दबाव या खतरे के सामने देश की प्रतिक्रिया केवल संवेगात्मक या तत्कालीन नहीं होनी चाहिए। यह दीर्घकालिक योजना, आत्मनिर्भरता और तकनीकी दक्षता के माध्यम से स्थिति को अपने पक्ष में मोड़ने का उदाहरण है। कहना होगा कि भारत का यह कदम ऊर्जा उत्पादन, बल्कि सामरिक संतुलन, पूर्वोत्तर राज्यों के विकास और जल संसाधनों के सतत उपयोग के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है। निश?चित ही इस परियोजना के माध्यम से यह संदेश स्पष्ट है कि किसी भी चुनौती या खतरे के समय वास्तविक शक्ति केवल शब्दों में नहीं, बल्कि ठोस योजनाओं, दीर्घकालिक निवेश और रणनीतिक क्रियान्वयन में होती है। चीन जैसे पड़ोसी द्वारा उत्पन्न दबाव के बावजूद भारत ने स्पष्ट रूप से यह दिखाया है कि वह अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा, ऊर्जा आवश्यकताओं और सामरिक हितों के लिए सक्षम और आत्मनिर्भर है।

मारिया मचाडो और लोकतंत्र की लौ

– डॉ. सत्यवान सौरभ

वर्ष 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो को मिला है। यह पुरस्कार न केवल एक व्यक्ति का सम्मान है, बल्कि उस विचार का भी जो यह मानता है कि लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे से नहीं बल्कि व्यक्तिगत साहस, नैतिक प्रतिबद्धता और जनता के विश्वास से जीवित रहता है। संघर्षग्रस्त समाजों में जहाँ भय, हिंसा और सेंसरशिप का वातावरण हो, वहाँ व्यक्ति का नैतिक साहस ही लोकतंत्र की पहली लौ बनता है।

लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव, संसद या संविधान तक सीमित नहीं है; यह एक नैतिक संस्कृति है, जहाँ नागरिकों को अपनी बात कहने, असहमति जताने और न्याय पाने का अधिकार होता है। परन्तु जब सत्ता निरंकुश हो जाती है, जब प्रेस पर अंकुश लगाया जाता है, जब विरोध को देशद्रोह कहा जाता है- तब लोकतंत्र की आत्मा घायल होती है। ऐसे समय में कोई भी आंदोलन, चाहे वह राजनीतिक हो या सामाजिक, तभी टिक पाता है जब उसमें व्यक्तिगत नेतृत्व का साहस और नैतिकता की दृढ़ता हो।

तानाशाही शासन के खिलाफ सबसे पहली दीवार वही व्यक्ति खड़ी करता है जो भय के आगे झुकता नहीं। व्यक्तिगत साहस का अर्थ है- अन्याय के विरुद्ध सत्य कहना, चाहे परिणाम कितना भी कठोर क्यों न हो। मारिया कोरीना मचाडो ने यही किया। उन्होंने गिरफ्तारी, प्रतिबंध, और धमकियों के बावजूद वेनेजुएला में शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक परिवर्तन की आवाज बुलंद रखी। इतिहास साक्षी है कि प्रत्येक युग में जब लोकतंत्र संकट में पड़ा, तो एक व्यक्ति के नैतिक साहस ने ही समाज को दिशा दी। महात्मा गांधी ने भारत में अहिंसक प्रतिरोध की परंपरा गढ़ी, मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने अमेरिकी नागरिक अधिकार आंदोलन में रंगभेद के विरुद्ध आवाज उठाई और आंग सान सू की ने म्यांमार में दशकों तक सैन्य शासन के खिलाफ लोकतांत्रिक संघर्ष का नेतृत्व किया। इन सबने यह सिद्ध किया कि साहस सत्ता का विरोध नहीं, सत्य की सेवा है।

जब लोग अत्याचार से थक कर मौन हो जाते हैं, तब एक व्यक्ति का साहस सामूहिक चेतना को जगाता है। ऐसे साहसी लोग न केवल प्रतिरोध करते हैं बल्कि जनता में नैतिक आशा भी जगाते हैं कि परिवर्तन संभव है। मारिया मचाडो का नेतृत्व इसी प्रकार जनता को अहिंसक संगठित प्रतिरोध के लिए प्रेरित करता रहा। वेनेजुएला की जनता में लोकतांत्रिक उम्मीदें जिंदा रखना ही उनका सबसे बड़ा योगदान है।

तानाशाही शासन हमेशा सूचना और विचार की स्वतंत्रता से डरता है। ऐसे माहौल में जो व्यक्ति सत्य बोलता है, वह स्वयं एक संस्था बन जाता है। महात्मा गांधी का 'सत्याग्रह' इसका श्रेष्ठ उदाहरण है- जहाँ सत्य को हथियार बनाया गया और हिंसा को त्यागा गया। इसी प्रकार नेल्सन मंडेला ने वर्षों की कैद के बावजूद प्रतिशोध नहीं बल्कि क्षमा और मेल-मिलाप का रास्ता चुना। उनका साहस केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि नैतिक और मानवतावादी था।

इतिहास बताता है कि जब भी महिलाओं ने नेतृत्व संभाला, उन्होंने संघर्ष को संवाद, संवेदना और समावेशिता में बदला। मारिया मचाडो, एलेन जॉनसन सर्लीफ, मलाला यूसुफजई या कोरियाई मानवाधिकार कार्यकर्ता यो ह्योन-ही, सभी ने यह दिखाया कि शांति और लोकतंत्र की राह हिंसा नहीं, संवेदना से बनती है। महिला नेतृत्व समाज में एक नैतिक संतुलन लाता है, जहाँ संघर्ष का उद्देश्य केवल सत्ता परिवर्तन नहीं बल्कि मानव गरिमा की पुनर्स्थापना होता है।

नैतिक नेतृत्व केवल राजनीतिक कौशल नहीं होता, वह समाज के भीतर विश्वास का पुनर्निर्माण करता है। ऐसा नेतृत्व विरोध के साथ-साथ समाधान की राह भी दिखाता है। उसकी दृष्टि अल्पकालिक लाभों पर नहीं, बल्कि दीर्घकालिक न्याय और समानता पर होती है। जब संस्थाएँ विफल होती हैं, तब एक नेता का चरित्र ही उसकी शक्ति बनता है। पोलैंड के नेता लेच वालेसा का 卐सॉलिडेरिटी आंदोलन卐 इसी का उदाहरण है, जहाँ मजदूरों के हक की लड़ाई ने पूरे राष्ट्र को लोकतंत्र की ओर मोड़ दिया। नेल्सन मंडेला का 'ट्रुथ एंड रिकॉन्सिलिएशन कमीशन' इस बात का प्रतीक है कि सत्य और क्षमा साथ चल सकते हैं।लोकतांत्रिक नेतृत्व केवल घरेलू संघर्ष तक सीमित नहीं रहता; वह घरेलू पीड़ा को वैश्विक विमर्श में बदल देता है। मारिया मचाडो ने मानवाधिकार मंचों पर जाकर वेनेजुएला के संघर्ष को विश्व की चेतना से जोड़ा, जिससे अंतरराष्ट्रीय दबाव बना। यही कारण है कि आज वेनेजुएला की कहानी केवल एक देश की नहीं, बल्कि दुनिया के हर संघर्षग्रस्त समाज की कहानी बन गई है।

तानाशाही का सबसे बड़ा हथियार भय होता है। नैतिक नेता उस भय को तोड़ते हैं और जनता को विश्वास दिलाते हैं कि सत्ता सीमित है, पर जनता असीम है। लोकतंत्र का अस्तित्व इसी विश्वास पर टिका है कि हर नागरिक की आवाज मायने रखती है। भय को खत्म कर जब नागरिक बोलना शुरू करते हैं, तभी लोकतंत्र सांस ले पाता है।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भी व्यक्तिगत साहस और नैतिक नेतृत्व का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला। भगत सिंह, सुभाषचंद्र बोस, राममनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण जैसे नेताओं ने यह दिखाया कि लोकतंत्र का जन्म संघर्ष से होता है और उसका पालन-पोषण नैतिक साहस से। आज भी भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में नागरिक अधिकारों की रक्षा तभी संभव है जब समाज में ऐसे नेतृत्व की भावना जीवित रहे।

लोकतंत्र केवल संस्थाओं से नहीं चलता, बल्कि उस भावना से जो नागरिकों के भीतर होती है। यदि समाज में भय, लालच या नफरत हावी हो जाए तो लोकतंत्र का स्वरूप कमजोर हो जाता है। ऐसे समय में नेता का काम केवल नीतियाँ बनाना नहीं, बल्कि नैतिक आदर्श प्रस्तुत करना होता है- जो जनता को यह सिखाए कि स्वतंत्रता का अर्थ केवल अधिकार नहीं, बल्कि कर्तव्य और अनुशासन भी है।

आज दुनिया के अनेक हिस्सों में लोकतंत्र खतरे में है- रूस, ईरान, म्यांमार, अफगानिस्तान, बेलारूस, सूडान, यहाँ तक कि कुछ विकसित लोकतंत्रों में भी सत्ता केंद्रीकरण और सूचना नियंत्रण की प्रवृत्ति बढ़ रही है। ऐसे में मारिया कोरिना मचाडो का साहस हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र की रक्षा बंदूकों से नहीं बल्कि सच बोलने वालों से होती है।

संघर्षग्रस्त समाजों में लोकतंत्र की रक्षा किसी संस्था, सेना या विदेशी सहायता से नहीं होती- वह उन साहसी व्यक्तियों से होती है जो सत्य, स्वतंत्रता और न्याय में विश्वास रखते हैं। वे जानते हैं कि परिवर्तन की राह कठिन है, परन्तु वह स्थायी होती है। मारिया कोरिना मचाडो का उदाहरण हमें यह सिखाता है कि नैतिक साहस ही वह दीपक है जो अधिनायकवाद के अंधेरे में लोकतंत्र की लौ को जीवित रखता है।

यह स्पष्ट है कि व्यक्तिगत नेतृत्व और नैतिक साहस लोकतंत्र की आत्मा हैं। संघर्षग्रस्त समाजों में वही नेता सफल होता है जो जनता को भय से मुक्ति दिलाकर विश्वास, सत्य और अहिंसा की राह दिखाता है। ऐसे व्यक्तित्व ही मानवता को यह संदेश देते हैं कि तानाशाही अस्थायी है, पर लोकतंत्र और सत्य शाश्वत हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

गुवाहाटी का टेस्ट मैच बड़ी चुनौती, भारत के अगले टेस्ट मैच पर अश्विन का चौंकाने वाला बयान

एजेंसी

चेन्नई। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (Ravichandran Ashwin) ने कहा है कि गुवाहाटी में आगामी टेस्ट मैच भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों के लिए विदेश जैसी परिस्थितियों वाला मुकाबला साबित हो सकता है। उन्होंने देश में स्थायी टेस्ट केंद्र और अच्छी पिचों की जरूरत पर भी जोर दिया। गुवाहाटी का बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम भारत का सबसे नया टेस्ट स्थल बन जाएगा और 22 से 26 नवंबर तक विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के दूसरे और अंतिम मैच की मेजबानी करेगा, जिसमें गत विजेता दक्षिण अफ्रीका भारतीय टीम से भिड़ेगी। अश्विन ने कहा, 'मैं इस मैदान पर खेलने के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन स्थायी टेस्ट केंद्र बनाने का विचार बेहद जरूरी है। मौजूदा भारतीय खिलाड़ियों में से किसी ने भी यहां लाल गेंद से टेस्ट नहीं खेला है। गुवाहाटी की परिस्थितियां भारतीय टीम के लिए भी नई होंगी।' उन्होंने आगे कहा, 'दक्षिण अफ्रीका स्पिन के मामले में बहुत मजबूत नहीं है और उनके पास ऐसे बल्लेबाज नहीं हैं जो स्पिन को अच्छे से खेल सकें। लेकिन हमें टेस्ट केंद्रों के बारे में गंभीरता से सोचना होगा। ईडन गार्डन्स और गुवाहाटी में मैच खेलना केवल दर्शकों के लिए नहीं, बल्कि परिस्थितियों से परिचित होने का भी मामला है।'अश्विन ने यह भी बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में पिचें अलग तरह की होती हैं। उन्होंने कहा, 'पूर्वी भारत की पिचों में ज्यादा उछाल नहीं होता। विकेट खराब नहीं होते, लेकिन इनकी जानकारी होना घरेलू टीम के लिए जरूरी है।

गिल, कोहली, रोहित और अन्य खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रवाना

नई दिल्ली। कप्तान शुभमन गिल, विराट कोहली, रोहित शर्मा और टीम इंडिया के अन्य सदस्य बुधवार सुबह अपने बहुप्रतीक्षित ऑस्ट्रेलिया दौरे की शुरुआत के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना हो गए। टीम का दूसरा जत्था आज रात 9 बजे रवाना होगा। इस दौरे में तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच और उसके बाद 5 मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला होगी, जो दुनिया के दो शीर्ष क्रिकेट देशों के बीच एक रोमांचक मुकाबले का मंच तैयार करेगी। पहले समूह में सहयोगी स्टाफ और कई वरिष्ठ खिलाड़ी भी शामिल हैं जबकि बाकी सदस्य ऑस्ट्रेलिया में टीम के पहले अभ्यास सत्र से पहले उनके साथ जुड़ेंगे। 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला से पहले खिलाड़ियों के एक संक्षिप्त अनुकूलन अवधि से गुजरने की उम्मीद है। भारत अपने प्रभावशाली विदेशी प्रदर्शन को बरकरार रखने के लक्ष्य के साथ इस दौरे को चरित्र और गहराई दोनों की एक महत्वपूर्ण परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है। प्रशंसक बेसब्री से इस मुकाबले का इंतजार कर रहे हैं क्योंकि युवा कप्तान शुभमन गिल टीम की अगुवाई कर रहे हैं और सीरीज की शुरुआत की तैयारी में जुटे हैं। तीन वनडे मैचों के साथ ही विराट कोहली और रोहित शर्मा एक लंबे ब्रेक के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बहुप्रतीक्षित वापसी करेंगे। क्रिकेट प्रेमी इस सीनियर जोड़ी को मैदान पर वापस देखकर रोमांचित हैं जबकि गिल उनकी मौजूदगी में टीम की कप्तानी भी कर रहे हैं जो एक दिलचस्प तालमेल है और इस हाई-प्रोफाइल दौरे में रोमांच का एक और स्तर जोड़ता है।

हर विकेट मेरे लिए पांच विकेट जैसा था, दूसरे टेस्ट में जीत पर बोले मोहम्मद सिराज

नई दिल्ली। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज (Mohammed Siraj) ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में अपने प्रदर्शन को बेहद खास बताया। उन्होंने कहा कि इस मैच में जो भी विकेट उन्होंने लिया, वह उन्हें पांच विकेट लेने जैसा महसूस हुआ, क्योंकि पिच गेंदबाजों के लिए बहुत अनुकूल नहीं थी। भारत ने दिल्ली में खेले गए इस मुकाबले में सात विकेट से जीत हासिल की और श्रृंखला 2-0 से अपने नाम की। सिराज ने इस मैच में तीन विकेट लिए, जबकि पहले टेस्ट में अहमदाबाद में उन्होंने सात विकेट लिए थे। शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें भारतीय टीम के ड्रेसिंग रूम में 'इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार भी मिला। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में सिराज ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो यह सीरीज बहुत अच्छी रही। दिल्ली में हमें काफी ओवर गेंदबाजी करनी पड़ी। हर विकेट जो मैंने लिया, पांच विकेट जैसा लगा। एक तेज गेंदबाज के रूप में अच्छे प्रयासों के बाद यह पुरस्कार मिलना आत्मविश्वास बढ़ाने वाला अनुभव है।'

रोहित-कोहली को लेकर पैट कमिंस का बड़ा बयान, 19 अक्तूबर से शुरू होगी सीरिज

पर्थ । पर्थ में शुरू हो रही भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया एकदिवसीय श्रृंखला से पहले ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने एक भावनात्मक टिप्पणी दी है। उन्होंने कहा कि यह सीरीज ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों के लिए खास होगी क्योंकि यह शायद विराट कोहली और रोहित शर्मा को इस देश में आखिरी बार एक्शन में देखने का मौका हो। पीठ की चोट के चलते कमिंस मैदान से बाहर रहेंगे, लेकिन उन्होंने माना कि इन दो भारतीय दिग्गजों का ऑस्ट्रेलिया में दिखना हमेशा एक क्रिकेटिंग आकर्षण रहा है। कमिंस ने 'जियो हॉटस्टार' से बातचीत में कहा, विराट और रोहित पिछले 15 सालों से लगभग हर भारतीय टीम का अहम हिस्सा रहे हैं। उनके बिना भारतीय क्रिकेट की कल्पना करना मुश्किल है। ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों के लिए उन्हें यहाँ खेलते हुए देखने का यह आखिरी मौका हो सकता है। उन्होंने आगे कहा कि दोनों खिलाड़ी न सिर्फ भारत बल्कि विश्व क्रिकेट के चैंपियन रहे हैं। जब भी वे ऑस्ट्रेलिया में खेलते हैं, दर्शक जोरदार तालियां बजाते हैं, चाहे वे भारत के खिलाफ ही क्यों न खेल रहे हों।

फीफा वर्ल्ड कप 2026: 14 साल बाद दक्षिण अफ्रीका की वापसी, ऐतिहासिक जीत के साथ किया क्वालीफाई

एजेंसी

केप टाउन। दक्षिण अफ्रीका ने रवांडा को 3-0 से हराकर फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। यह उसकी 2010 के बाद पहली वर्ल्ड कप एंट्री होगी। ग्रुप सी में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए उसने शानदार अंदाज में फाइनल राउंड में जगह बनाई। इस जीत में नाइजीरिया ने भी अहम भूमिका निभाई, जिसने बेनिन को 4-0 से हराकर दक्षिण अफ्रीका को आगे बढ़ने में मदद की।

बेनिन अंतिम दौर से पहले दो अंकों की बढ़त पर था, लेकिन नाइजीरिया के खिलाफ करारी हार के चलते वह तीसरे स्थान पर खिसक गया। नाइजीरिया और बेनिन दोनों के 17-17 अंक रहे, लेकिन बेहतर गोल अंतर की बदौलत नाइजीरिया उपविजेता बना। दक्षिण अफ्रीका 18 अंकों के साथ ग्रुप में पहले स्थान पर रहा।दक्षिण अफ्रीका के लिए थालेन्टे म्बाथा ने मैच की शुरुआत में ही पांचवें मिनट में गोल कर बढ़त दिलाई। 21वें मिनट में ओसविन अपोलिस ने दूसरा

गोल दागा, जबकि 72वें मिनट में एविडेंस मकगोपो ने हेडर के जरिए तीसरा गोल कर जीत पक्की कर दी। गौरतलब है कि पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के तीन अंक काट लिए गए थे क्योंकि उसने मार्च में एक निलंबित खिलाड़ी को खिलाया था। हालांकि अब यह गलती पीछे छूट चुकी है और टीम ने 14 साल बाद वर्ल्ड कप में जगह बना ली है। दूसरी ओर, नाइजीरिया के लिए विक्टर ओसिमेन ने शानदार हैट्रिक लगाई। उन्होंने तीसरे मिनट में पहला गोल किया, 37वें मिनट में दूसरा और दूसरे हाफ की शुरुआत में तीसरा गोल दागा। फ्रैंक ओन्येका ने आखिरी मिनटों में चौथा गोल कर स्कोर 4-0 कर दिया। उधर, अल्जीरिया ने भी अपनी जगह पक्की कर ली है। उसने युगांडा को 2-1 से हराया। मोहम्मद अमौरा ने दो पेनल्टी गोल करते हुए अल्जीरिया को जीत दिलाई।

अमौरा अब अफ्रीकी क्वालिफायर में 10 गोल के साथ टॉप स्कोरर बन गए हैं। इस जीत के साथ अल्जीरिया ने ग्रुप जी में 25 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। लुका जिदान (फ्रांस के महान फुटबॉलर जिदान के बेटे) ने अल्जीरिया के लिए गोलकीपर के रूप में डेब्यू किया, हालांकि शुरुआती छह मिनट में ही स्टीवन मुकवाला ने युगांडा के लिए गोल कर टीम को बढ़त दिला दी थी।

विश्व कप क्वालिफायर में सर्वाधिक गोल करने वाले फुटबॉलर बने क्रिस्टियानो रोनाल्डो

एजेंसी

लिस्बन (पुर्तगाल)। पुर्तगाल के स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। बुधवार को हंगरी के खिलाफ विश्व कप क्वालिफायर मुकाबले में रोनाल्डो ने दो गोल दागकर इतिहास रच दिया। 40 वर्षीय रोनाल्डो अब विश्व कप क्वालिफायर में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने ग्वाटेमाला के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कार्लोस रुइज़ (39 गोल) को पीछे छोड़ते हुए अपना 40वां और 41वां गोल किया। पांच बार के बैलन डी'ऑर विजेता रोनाल्डो ने 22वें मिनट में नेल्सन सेमेडो के क्रॉस पर शानदार

फिनिश के साथ पुर्तगाल को बराबरी दिलाई। इसके बाद हाफ टाइम से पहले नूनो मेंडेस के पास पर गोल करते हुए टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी।

विश्व कप क्वालिफायर में सर्वाधिक गोल करने वाले शीर्ष तीन खिलाड़ी:

1. क्रिस्टियानो रोनाल्डो (पुर्तगाल) - 41 गोल
2. कार्लोस रुइज़ (ग्वाटेमाला) - 39 गोल
3. लियोनेल मेसी (अर्जेंटीना) - 36 गोल

ब्रैम्पटन ब्लिट्ज ने मॉन्ट्रियल रॉयल टाइगर्स को हराकर जीता पहले कनाडा सुपर 60 लीग का खिताब

एजेंसी

वैंकूवर। ब्रैम्पटन ब्लिट्ज ने मॉन्ट्रियल रॉयल टाइगर्स को मंगलवार रात (भारतीय समयानुसार बुधवार) 8 विकेट से हराकर पहले कनाडा सुपर 60 टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया है। बीसी प्लेस में खेले गए फाइनल मुकाबले में ब्रैम्पटन ब्लिट्ज ने मॉन्ट्रियल रॉयल टाइगर्स को आठ विकेट से हराया।टाइगर्स की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए मात्र 69 रन पर सिमट गई। ब्रैम्पटन के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। डिलन हेलीगर ने 4 विकेट मात्र 9 रन पर झटके। डेविड वीज़े ने 3 विकेट 6 रन पर और क्रिस ग्रेव्स ने 3 विकेट 16 रन पर लेकर टाइगर्स को 8 ओवर में ही पवेलियन भेज दिया। बल्लेबाजों में सिर्फ शाकिब अल हसन (29 रन, 12 गेंद) और दिलप्रीत बाजवा (18 रन, 8 गेंद) ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। लक्ष्य का पीछा करते हुए ब्रैम्पटन ब्लिट्ज ने मात्र 5.5 ओवर में जीत दर्ज कर ली। मार्टिन गप्टिल ने 23 रन (13 गेंद) की नाबाद पारी

खेली, जबकि जेम्स विंस ने 34 रन (16 गेंद) बनाए जिसमें चार चौके और दो छक्के शामिल थे। एलेक्स डेविस ने छक्का लगाकर टीम को विजयी अंत दिलाया।

सेमीफाइनल में गप्टिल और स्मीड की तूफानी बल्लेबाजी

दिन के पहले सेमीफाइनल में ब्रैम्पटन ब्लिट्ज ने मिसिसॉगा मास्टर्स को नौ विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई। 148 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मार्टिन गप्टिल (79 रन, 25 गेंद) और विल स्मीड (63 रन, 21 गेंद) ने 6.5 ओवर में ही 141 रनों की साझेदारी कर मैच लगभग तय कर दिया। गप्टिल ने 11 छक्के और 2 चौके लगाए, जबकि स्मीड ने 8 छक्के और 1 चौका लगाया।

अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को 200 रनों से रौंदा, वनडे सीरीज़ में क्लीन स्वीप

एजेंसी

अबू धाबी। अफगानिस्तान ने रात अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में खेले गए तीसरे वनडे मैच में बांग्लादेश को 200 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज़ 3-0 से अपने नाम कर ली। यह अफगानिस्तान की लगातार पांचवीं वनडे सीरीज़ जीत है। टी20 सीरीज़ में 0-3 से हारने के बाद अफगान टीम ने जोरदार वापसी करते हुए बांग्लादेश को वनडे में उसी अंदाज में मात दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 293 रन बनाए। टीम के लिए इब्राहिम जादरान ने 95 रन की शानदार पारी खेली, जबकि मोहम्मद नबी ने 37 गेंदों में तूफानी 62 रन ठोके। जवाब में बांग्लादेश की टीम महज़ 27.1 ओवर में 93 रन पर सिमट गई। बिलाल सामी ने घातक गेंदबाजी करते हुए 33 रन देकर 5 विकेट झटके, जबकि राशिद खान को 3 विकेट मिले। अफगानिस्तान की पारी की शुरुआत रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान ने आक्रामक अंदाज में की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 15 ओवर में 99 रन जोड़े। गुरबाज 40 रन

बनाकर आउट हुए, जबकि इब्राहिम 95 रन पर रन आउट हुए। नबी ने अंतिम ओवरों में धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए मात्र 14 गेंदों में 45 रन जोड़े और पारी को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम शुरुआत में ही लड़खड़ा गई। मोहम्मद नाइम नौवें ओवर में आउट हुए और इसके बाद विकेटों की झड़ी लग गई। 70/3 के स्कोर से टीम 81/8 तक सिमट गई। केवल सैफ हसन ही 43 रन बनाकर टिक सके, बाकी सभी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सके।

संक्षिप्त स्कोर:

अफगानिस्तान - 293/9 (इब्राहिम जादरान 95, मोहम्मद नबी 62*, सैफ हसन 3/6, तनवीर इस्लाम 2/46)

बांग्लादेश - 93 (सैफ हसन 43; बिलाल सामी 5/33, राशिद खान 3/12) **परिणाम:** अफगानिस्तान ने 200 रनों से जीत दर्ज की।

नेशनल जूनियर चैंपियनशिप में मप्र की रंजना ने 3000 मीटर रेस वॉक में जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी

भोपाल। ओडिशा के भुवनेश्वर शहर में 10 से 14 अक्टूबर तक आयोजित 40वीं नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अंतिम दिन मध्य प्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी की एथलीट रंजना यादव ने गर्ल्स अंडर-18 वर्ग की 3000 मीटर रेस वॉक में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने यह उपलब्धि 13:41.55 सेकंड के उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ हासिल की।

मध्य के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने रंजना यादव को इस शानदार प्रदर्शन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दी है। उन्होंने कहा कि रंजना यादव ने अपने अथक प्रयास, अनुशासन और समर्पण से यह साबित किया है कि मेहनत और धैर्य से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। उनका प्रदर्शन प्रदेश के युवा एथलीटों के लिए प्रेरणा है। रंजना की इस उपलब्धि में मध्य प्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी, भोपाल के अनुभवी कोचों का मार्गदर्शन और आधुनिक खेल सुविधाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनकी नियमित प्रशिक्षण और आत्मविश्वास ने उन्हें यह सफलता दिलाई। रंजना यादव की इस उत्कृष्ट उपलब्धि के साथ, उन्हें 22 से 31 अक्टूबर 2025 को बहरीन में आयोजित होने वाले एशियन यूथ गेम्स में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयनित किया गया है। यह उपलब्धि न केवल रंजना के लिए, बल्कि पूरे प्रदेश और देश के युवा एथलीटों के लिए गर्व का विषय है। वहीं, भुवनेश्वर में 10 से 14 अक्टूबर तक आयोजित 40वीं नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अंतिम दिन मध्य प्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के एथलीट प्रशांत कुमार ने बॉयज़ अंडर-18 वर्ग की 5000 मीटर रेस वॉक में रजत पदक जीता। उन्होंने यह उपलब्धि 20:21.73 सेकंड के उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ हासिल की।

प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने प्रशांत कुमार को इस शानदार प्रदर्शन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दी है। उन्होंने कहा कि प्रशांत कुमार ने अपनी लगन, अनुशासन और कठिन परिश्रम से यह साबित किया है कि दृढ़ संकल्प और मेहनत से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उनका प्रदर्शन मध्यप्रदेश के युवा एथलीटों के लिए प्रेरणा है। प्रशांत की इस उपलब्धि के पीछे मध्य प्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी, भोपाल में उपलब्ध उच्चस्तरीय प्रशिक्षण, अनुभवी कोचों का मार्गदर्शन और आधुनिक खेल सुविधाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने अपने लगातार अभ्यास और आत्मविश्वास के बल पर यह सफलता हासिल की।

इंग्लैंड ने लातविया को 5-0 से हराकर 2026 फीफा वर्ल्ड कप में जगह पक्की की

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने लातविया को 5-0 से हराकर 2026 फीफा विश्व कप के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। बुधवार (भारतीय समयानुसार) को हुए मुकाबलों में हैरी केन का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। इसके साथ ही इटली और इजरायल के मैच से पहले प्रोपैलेस्टाइन प्रदर्शनों ने भी माहौल गर्म कर दिया। ग्रुप के में इंग्लैंड ने अपनी विजयी लय को जारी रखते हुए रीगा में लगातार छठी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ इंग्लैंड के 18 अंक हो गए और उसे शीर्ष स्थान पर सात अंकों की बढ़त मिल गई, जिससे उसने दो मैच शेष रहते ही विश्व कप का टिकट हासिल कर लिया।

इंग्लैंड के लिए एंथनी गॉर्डन ने पहला गोल किया, जिसके बाद हैरी केन ने दो गोल दागे, जिसमें एक पेनल्टी भी शामिल थी। हाफ टाइम तक इंग्लैंड 3-0 की बढ़त बना चुका था। इस प्रदर्शन के साथ केन ने क्लब और देश के लिए इस सीजन में 13 मैचों में कुल 21 गोल पूरे कर लिए। मैच के बाद इंग्लैंड के कोच थॉमस टुशेल ने कहा, वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करना हमेशा खास होता है, इसलिए टीम का मूड बहुत शानदार है। दूसरे हाफ में लातविया के मक्सिम्स टोनिसेव्स के आत्मघाती गोल और एबेरेची एज़े के गोल ने इंग्लैंड की 5-0 की एकतरफा जीत पर मुहर लगा दी।

दिल्ली में आईओए ने 2024 पेरिस ओलिंपिक पदक विजेताओं का किया सम्मान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने दिल्ली के ताज मन सिंह होटल में 2024 पेरिस ओलिंपिक में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों का विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया। इस कार्यक्रम में आईओए की अध्यक्ष डॉ पी.टी. उषा, युवा एवं खेल मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, प्रायोजक और खेल जगत की प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं।समारोह में भारत के उन खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने पेरिस 2024 ओलिंपिक में देश का नाम गर्व के साथ रोशन किया। इस बार भारत ने ओलिंपिक में कुल छह पदक जीते, जिनमें एक रजत और पांच कांस्य रहा। जैवलिन थ्रो में नेराज चोपड़ा ने टोक्यो ओलिंपिक की सफलता को दोहराते हुए रजत पदक जीता, जबकि निशानेबाज मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में और मिश्रित टीम इवेंट में सरबजोत सिंह के साथ दो कांस्य पदक अपने नाम

किए। शूटर स्वप्निल कुसेले ने पुरुष 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में कांस्य पदक हासिल किया। युवा पहलवान अमन सेहरावत ने पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा में कांस्य पदक जीतकर भारत के सबसे युवा ओलंपिक पदक विजेताओं में अपना नाम दर्ज किया। वहीं, भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने तीसरे स्थान के मैच में स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीतकर लौट आई।समारोह में आईओए ने सभी पदक विजेताओं और उनके कोचों को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया। नेराज चोपड़ा को 75 लाख, मनु भाकर को 50 लाख और 37.5 लाख, सरबजोत सिंह को 37.5 लाख, स्वप्निल कुसेले और अमन सेहरावत को ?50 लाख, जबकि पुरुष हॉकी टीम को मुख्य खिलाड़ी 10 लाख और रिजर्व खिलाड़ी 5 लाख प्रदान किए गए। उनके कोचों डॉ क्लॉस एरिच बार्टोनीत्ज, जसपाल राणा, अभिषेक राणा, दीपाली देशपांडे, अली शाबानोव और क्रेग फुल्टन को भी उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। डॉ पी.टी. उषा ने कहा, मैं अपने सभी पदक विजेताओं को दिल से बधाई देती हूं। आपकी उपलब्धियों ने देश को अपार गर्व और खुशी दी है। आप भारतीय युवा की समर्पण, धैर्य और असीम संभावनाओं के प्रतीक हैं। जिन्होंने पदक नहीं जीते, उनके प्रयास और साहस भी हमें प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम का समापन आईओए के सीईओ रघुराम अय्यर ने किया और उन्होंने सभी विशिष्ट अतिथियों, खेल महासंघों, प्रायोजकों और भारतीय जनता को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

पीकेएल-12 : गुजरात जायंट्स ने पटना पाइरेट्स को 40-32 से हराया, शादलू-हिमांशु की दमदार जोड़ी ने दिलाई पांचवीं जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के रोमांचक मुकाबले में गुजरात जायंट्स ने पटना पाइरेट्स को 40-32 से हराकर अपनी पांचवीं जीत दर्ज की। त्यागराज इंडोर स्टेडियम में खेले गए इस मैच में गुजरात के लिए मोहम्मदरेजा शादलू (9 अंक - डिफेंस में 5, रेड में 4) और हिमांशु सिंह (11 अंक) ने शानदार प्रदर्शन किया। इस जीत से गुजरात ने खुद को शीर्ष-8 की रेस में बनाए रखा है। पटना के स्टार रेडर मंदीप कुमार ने भले ही 12 अंक जुटाए हों, लेकिन शादलू और हिमांशु की जोड़ी ने उनका प्रभाव कम कर दिया। इस हार के साथ पटना को 13 मैचों में 10वीं हार झेलनी पड़ी, जबकि गुजरात ने 14 मैचों में पांच जीत के साथ अपने अभियान को जीवित रखा है। मुकाबले की शुरुआत जोरदार रही। तीसरे मिनट में पटना ने सुपर टैकल किया, लेकिन लकी और अयान के संयोजन ने गुजरात को बढ़त दिला दी। कप्तान राकेश की 'डू-ऑर-डाई' रेड ने टीम को मजबूती दी और गुजरात ने स्कोर 8-5 कर बढ़त बनाई। हालांकि मंदीप ने अपने अनुभव का उपयोग करते हुए लगातार अंक बटोरे और मैच का रोमांच बनाए रखा। पहले हाफ के अंत तक गुजरात ने 23-17 की लीड हासिल कर ली थी। ब्रेक के बाद पटना ने मंदीप के सुपर-10 की मदद से वापसी की कोशिश की, लेकिन हिमांशु सिंह के

लगातार रेड पॉइंट्स ने गुजरात को फिर से छह अंकों की बढ़त दिला दी। अंतिम क्वार्टर में पटना ने सुपर टैकल से खुद को कुछ देर संभाला, मगर शादलू ने आखिरी मिनटों में दो अहम अंक लेकर स्कोर 36-32 किया और फिर एक ऑलआउट लेकर जीत पक्की कर दी। गुजरात जायंट्स की इस जीत से टीम का मनोबल ऊंचा हुआ है और अब वह आगामी मुकाबलों में प्लेऑफ की दौड़ को और रोमांचक बनाने के लिए तैयार है।

एशिया कप तनाव के बाद भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने मिलाया हाथ

एजेंसी

जोहोर (मलेशिया)। मलेशिया के जोहोर बाहरू में सुल्तान ऑफ जोहोर कप में भारत और पाकिस्तान के बीच जूनियर हॉकी मैच राष्ट्रगान के बाद दोनों पक्षों के खिलाड़ियों के बीच हाई-फाइव के साथ शुरू हुआ और 3-3 से ड्रॉ रहे कड़े मुकाबले के बाद हाथ मिलाने के साथ समाप्त हुआ। यह घटनाक्रम पिछले महीने हुए एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के विपरीत है, जहां भारतीय और पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने मैदान पर किसी भी तरह की बातचीत से परहेज किया था। एशिया कप में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर अपने पाकिस्तानी समकक्षों के साथ पारंपरिक हाथ मिलाने से परहेज किया और अपनी जीत पहलगाम आतंकवादी हमले से प्रभावित परिवारों को समर्पित की। बाद में भारत ने PCB और ACC प्रमुख मोहसिन नकवी, जो पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं, से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। सूर्यकुमार ने कहा था, 'मुझे नहीं पता कि आगे क्या होगा। दिल्ली अभी बहुत दूर है। मुझे नहीं पता कि अगले मैच में पाकिस्तान के साथ क्या होगा। वैसे भी, हम सिर्फ बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट में ही खेलते हैं, लेकिन उस समय जो भी होगा, हम देखेंगे। फिलहाल, यही वो पल है जिसका हम आनंद लेना चाहते हैं। इसके विपरीत भारत और पाकिस्तान की जूनियर टीमों के बीच सुल्तान जोहोर कप हॉकी मैच का माहौल हमेशा की तरह सामान्य था।

इब्राहिम जदरान कोहली और रोहित से आगे निकले, जायसवाल और कुलदीप को ICC रैंकिंग में जबरदस्त बढ़त

एजेंसी

सिडनी। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की ताजा रैंकिंग अपडेट में भारतीय और अफगान खिलाड़ियों ने शानदार छलांग लगाई है। अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जदरान ने वनडे बल्लेबाज़ों की सूची में विराट कोहली और रोहित शर्मा को पछाड़ दिया है, जबकि भारतीय युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। इसके साथ ही कुलदीप यादव और राशिद खान जैसे स्पिनरों ने भी अपनी रैंकिंग में बड़ा सुधार किया है।

जायसवाल ने साबित किया क्लास, बने भारत के नंबर 1 टेस्ट बल्लेबाज

वेस्टइंडीज़ के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में धमाकेदार प्रदर्शन करने वाले यशस्वी जायसवाल भारत की बल्लेबाजी लाइन-अप में नई पहचान बनते जा रहे हैं। दिल्ली टेस्ट में पहली पारी में खेले गए 175 रनों की शानदार पारी ने उन्हें टेस्ट रैंकिंग में दो स्थान ऊपर पहुंचाया है। अब जायसवाल पांचवें स्थान पर हैं, जो किसी भी भारतीय बल्लेबाज के लिए इस समय सर्वश्रेष्ठ पोजीशन है। युवा बल्लेबाज का यह लगातार प्रदर्शन दर्शाता है कि भारत को भविष्य के लिए एक लंबी रेस का धावक मिल चुका है।

कुलदीप यादव की स्पिन का जलवा, सात पायदान की छलांग

भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने भी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में धमाकेदार वापसी की है। वेस्टइंडीज़ के खिलाफ दूसरे टेस्ट में कुलदीप ने दोनों पारियों में कुल आठ विकेट लेकर मैच भारत की झोली में डाल दिया था। इस प्रदर्शन के दम पर वह अब 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं। कुलदीप की स्पिन और सटीक लाइन-लेंथ ने उन्हें टीम इंडिया के लिए एक बार फिर अपरिहार्य बना दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यही फॉर्म जारी रहा तो वह जल्द ही टॉप-10 में लौट सकते हैं।

इब्राहिम ज़दरान की ऐतिहासिक छलांग, कोहली-रोहित से आगे निकले

अफगानिस्तान के उभरते हुए बल्लेबाज़ इब्राहिम ज़दरान ने बांग्लादेश के खिलाफ शानदार 213 रनों की पारी खेलकर वनडे रैंकिंग में नया इतिहास रचा। उन्होंने आठ स्थान की छलांग लगाते हुए दूसरे स्थान पर कब्जा कर लिया है। इब्राहिम के अब 764 रेटिंग अंक हैं, जो विराट कोहली (736) और रोहित शर्मा (756) दोनों से ज़्यादा हैं। यह पहली बार है जब किसी अफगान बल्लेबाज ने वनडे रैंकिंग में इतना ऊँचा स्थान हासिल किया है।

राशिद खान बने नंबर-1 गेंदबाज, उमरजई ने भी मारी बाजी

स्पिन के जादूगर राशिद खान ने एक बार फिर साबित किया कि वह सीमित ओवरों के बेताज बादशाह हैं। बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों में 11 विकेट लेकर उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज को पछाड़ते हुए वनडे गेंदबाज़ों की रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया। इसके साथ ही ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई ने भी रैंकिंग में इतिहास रच दिया है। उन्होंने बांग्लादेश सीरीज में सात विकेट और 60 रन बनाकर वनडे ऑलराउंडरों की रैंकिंग में नंबर वन स्थान हासिल किया है।

भारत और अफगानिस्तान के लिए सुनहरा दौर

आईसीसी की इस रैंकिंग अपडेट ने साफ़ कर दिया है कि भारतीय क्रिकेट का युवा दौर और अफगानिस्तान क्रिकेट का उभरता युग दोनों अपने चरम पर हैं। जायसवाल और कुलदीप जैसे खिलाड़ी भारत की टेस्ट ताकत को नया रूप दे रहे हैं, वहीं इब्राहिम ज़दरान और राशिद खान जैसी प्रतिभाएँ अफगानिस्तान को विश्व क्रिकेट की नई शक्ति बना रही हैं।

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में और तेजी आई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण दोनों सूचकांक गिर कर लाल निशान में पहुंच गए। बिकवाली के दबाव की वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से करीब 800 अंक टूट गया, वहीं निफ्टी भी ऊपरी स्तर से करीब 250 अंक लुढ़क गया। हालांकि दोपहर 1 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी की, इसके बावजूद शेयर बाजार लाल निशान में ही कारोबार करता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.36 प्रतिशत और निफ्टी 0.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान रियल्टी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, मेटल और पीएसयू बैंक सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, आईटी, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, कैपिटल मार्केट से जुड़े शेयरों में आज तेजी का रुख बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.74 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

वित्त मंत्री चार दिन के कर्नाटक दौरे पर, किसान प्रशिक्षण केंद्रों का करेंगी उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कर्नाटक के चार दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान वह किसान प्रशिक्षण केंद्रों और कृषि प्रसंस्करण के लिए साझा सुविधा केंद्रों का उद्घाटन करेंगी। वित्त मंत्रालय के मुताबिक यात्रा के दौरान वित्त मंत्री उन युवाओं से भी बातचीत करेंगी, जो पीएम इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) के तहत शामिल हुए हैं। राज्यसभा में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करने वाली वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण चिलावदगी गांव में मुरुगे की एक एमएसएमई इकाई का भी दौरा करेंगी। सीतारमण कर्नाटक यात्रा के दौरान कृषि प्रसंस्करण के लिए किसान प्रशिक्षण केंद्रों और सामान्य सुविधा केंद्र (सीएफसी) का उद्घाटन करने के अलावा कर्नाटक ग्रामीण बैंक के प्रदर्शन की समीक्षा भी करेंगी।

अनंत गोयनका वित्त वर्ष 2025-26 के लिए फिक्की के अध्यक्ष निर्वाचित

नई दिल्ली। अनंत गोयनका वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) के अध्यक्ष निर्वाचित किए गए हैं। वे नई दिल्ली में 28-29 नवंबर को होने वाली 98वीं वार्षिक आम बैठक के समापन पर हर्षवर्धन अग्रवाल का स्थान लेंगे। फिक्की ने एक बयान में बताया कि भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति (एनईसीएम) की बैठक में सोमवार को अनंत गोयनका को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए फिक्की का निर्वाचित अध्यक्ष घोषित किया गया। अनंत गोयनका आरपीजी ग्रुप के उपाध्यक्ष हैं, जो टायर, बुनियादी ढांचा, फार्मा, आईटी और विशेष क्षेत्रों में कार्यरत है। वह ऑटोमोटिव टायर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटीएमए) के पूर्व अध्यक्ष हैं। अनंत गोयनका ने केलॉग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से एमबीए और पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के व्हार्टन स्कूल से अर्थशास्त्र में बीएस की डिग्री हासिल की है। अनंत गोयनका ने 2012 से 2023 तक के 10 वर्षों के परिवर्तनकारी कार्यकाल में सिएट के प्रबंध निदेशक और मुख्?य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रहे। उनके कार्यकाल के दौरान कंपनी के बाजार पूंजीकरण में 25 गुना वृद्धि हुई। इसके साथ ही विश्व आर्थिक मंच से लाइटहाउस मान्यता प्राप्त हुई और 2023 में प्रतिष्ठित डेमिंग ग्रैंड पुरस्कार जीता, जिससे ये सम्मान पाने वाली दुनिया की पहली टायर कंपनी बन गई। सिएट में शामिल होने से पहले उन्होंने यूनिलीवर और केईसी इंटरनेशनल के साथ काम किया। उन्हें 2023 में केलॉग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से 'कैबिलर साइंस ऑफ एम्पैथी प्राइज' से सम्मानित किया गया।

केंद्र सरकार ने 16वें वित्त आयोग का कार्यकाल 30 नवंबर तक बढ़ाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 16वें वित्त आयोग का कार्यकाल को एक महीने बढ़ाकर 30 नवंबर तक कर दिया है। 16वां वित्त आयोग एक संवैधानिक निकाय है, जो केंद्र-राज्य वित्तीय संबंधों पर सुझाव देता है। वित्त मंत्रालय ने 10 अक्टूबर को जारी की एक अधिसूचना में कहा कि 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट जमा करने की अंतिम तिथि 30 नवंबर तक बढ़ाई जा रही है। सरकार ने 31 दिसंबर, 2023 को 16वें वित्त आयोग का गठन किया था। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया को इसका चेयरमैन बनाया गया था। इस आयोग को 31 अक्टूबर तक अपनी रिपोर्ट देनी थी। 16वां वित्त आयोग मुख्य रूप से 1 अप्रैल, 2026 से शुरू होने वाली 5 साल की अवधि के लिए केंद्र और राज्यों के बीच करों के वितरण पर सिफारिशें करेगा। आयोग में चार सदस्य हैं, जिनमें सेवानिवृत्त नौकरशाह एनी जॉर्ज मैथ्यू और अर्थशास्त्री मनोज पांडा आयोग के पूर्णकालिक सदस्य हैं, जबकि एसबीआई समूह के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष और आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी रबी शंकर अंशकालिक सदस्य हैं। केंद्र और राज्यों के बीच कर हस्तांतरण और राजस्व वृद्धि के उपायों पर सुझाव देने के अलावा, आयोग आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत गठित निधियों के संदर्भ में आपदा प्रबंधन पहलों के वित्तपोषण की वर्तमान व्यवस्था की समीक्षा भी करेगा।

भारत और सऊदी अरब ने केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स सेक्टर में सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और सऊदी अरब ने केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स सेक्टर में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने, निवेश को बढ़ावा देने और सहयोग के नए क्षेत्रों की खोज करने का फैसला लिया। यह जानकारी बुधवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अनुसार, सऊदी अरब भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और %भारत% सऊदी अरब का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2024-25 में 41.88 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स का योगदान 10 प्रतिशत यानी लगभग 4.5 अरब डॉलर रहा। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग और सऊदी अरब के उद्योग एवं खनिज मंत्रालय के बीच एक द्विपक्षीय बैठक हुई। इस बैठक में भारतीय पक्ष का नेतृत्व रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग की सचिव निवेदिता शुक्ला वर्मा ने किया। वहीं, सऊदी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उद्योग एवं खनिज उप मंत्री खलील बिन इब्राहिम बिन सलामाह ने किया।दोनों पक्षों ने केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स सेक्टर में दोनों देशों की पूरकता को स्वीकार किया, जहां सऊदी अरब पेट्रोकेमिकल्स में एक मजबूत देश है, जबकि भारत की स्थिति स्पेशियलिटी केमिकल्स में मजबूत है।दोनों पक्षों ने भारत के पेट्रोलियम, केमिकल और पेट्रोकेमिकल इन्वेस्टमेंट रिजन (पीसीपीआईआर) में निवेश और दोनों देशों की प्रमुख कंपनियों के बीच संभावित साझेदारी सहित केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स की वैल्यू चेन में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की।

इस सेक्टर में रिसर्च एंड डेवलपमेंट तथा स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में सहयोग करने पर भी सहमति हुई ।

भारत 15 अक्टूबर से अमेरिका के लिए सभी श्रेणियों की डाक सेवाएं फिर से शुरू करेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय डाक विभाग 15 अक्टूबर से अमेरिका के लिए सभी श्रेणियों की अंतरराष्ट्रीय डाक सेवाएं फिर से शुरू करेगा। संचार मंत्रालय ने बताया कि भारतीय डाक विभाग 15 अक्टूबर, 2025 से संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) के लिए सभी श्रेणियों की अंतरराष्ट्रीय डाक सेवाएं पुनः शुरू हो जाएंगी। यूएसए प्रशासन के कार्यकारी आदेश के बाद अमेरिका के लिए डाक सेवाओं को पहले निलंबित कर दिया गया था। डाक विभाग ने कहा कि अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा (सीबीपी) दिशा-निर्देशों के अनुसार नए टैरिफ नियम के तहत भारत से अमेरिका को भेजे जाने वाले डाक शिपमेंट पर घोषित सामान मूल्य का 50 फीसदी तय की गई है, जो नए शुल्क नियमों के तहत लागू होगी। भारतीय डाक ने कहा कि आयात शुल्क के संग्रह और प्रेषण के लिए अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा (सीबीपी) द्वारा शुरू की गई नई नियामक आवश्यकताओं के कारण यह निलंबन आवश्यक हो गया था।

बीआईएस को उपभोक्ता पहल और आउटरीच को मजबूत करना चाहिए: प्रल्हाद जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि सरकार सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए घटिया वस्तुओं के प्रसार को रोकने के लिए अनिवार्य प्रमाणीकरण के लिए गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) में सामंजस्य स्थापित करने पर काम कर रही है।प्रल्हाद जोशी आज उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित राष्ट्रीय मानकीकरण प्रशिक्षण संस्थान में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की ओर से आयोजित विश्व मानक दिवस समारोह को वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जोर दिया कि बीआईएस को इन दोनों उद्देश्यों के बीच एक स्थायी संतुलन हासिल करना होगा। जोशी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले 11 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था 10वें स्थान से बढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गई है, जो सरकार के सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन की नीति से प्रेरित एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि भारत अब 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर पूरे आत्मविश्वास से बढ़ रहा है। बीआईएस ने राष्ट्रीय मानकों को आंदोलन को आगे बढ़ाने वाले विशेषज्ञों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह दिवस उन लोगों के अथक प्रयासों का जश्न मनाता है, जो उद्योगों और अर्थव्यवस्था का मार्गदर्शन करने वाले वैश्विक मानकों को आकार

दे रहे हैं। इस अवसर पर बीआईएस के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी, उपभोक्ता मामले विभाग के अपर सचिव भरत खेड़ा, बीआईएस के ओएसडी संजय गर्ग तथा ब्यूरो के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाकर इस विज़न को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने भारत के मानकीकरण

14 दिन बाद एक बार फिर डॉलर के मुकाबले ऑल टाइम लो पर पहुंचा रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट की ओर से बने दबाव, स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की बिकवाली और डॉलर की मांग में तेजी आने का असर आज भारत के मुद्रा बाजार में साफ नजर आया। मुद्रा बाजार में बने नकारात्मक माहौल के कारण रुपया आज डॉलर की तुलना में एक बार फिर ऑल टाइम लो लेवल पर पहुंच कर बंद हुआ।

भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 12 पैसे फिसल कर 88.80 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय मुद्रा 88.68 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। आपको बता दें कि आज के पहले 30 सितंबर को भी डॉलर के मुकाबले रुपये ने 88.80 के स्तर पर बंद होकर ऑल टाइम लो का रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद रुपये की स्थिति में कुछ सुधार भी हुआ था, लेकिन आज रुपया एक बार फिर सबसे निचले स्तर पर गिर कर बंद हुआ। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 7 पैसे की कमजोरी के साथ 88.75 रुपये के स्तर से

कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद कुछ देर के लिए रुपया ओपनिंग लेवल से 5 पैसे की रिकवरी करके 88.70 के स्तर तक भी पहुंचा, लेकिन इसके बाद बाजार में बने नकारात्मक माहौल के कारण रुपया ओवरऑल 12 पैसे की कमजोरी के साथ 88.80 के स्तर तक गिर गया और उसी स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। मुद्रा बाजार के आज के कारोबार में रुपये ने डॉलर के मुकाबल तो कमजोर प्रदर्शन किया, लेकिन इसके अलावा ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भारतीय मुद्रा ने मजबूत प्रदर्शन किया। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 45.76 पैसे की तेजी के साथ 117.81 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 20.70 पैसे की उछाल के साथ 102.60 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच कर बंद हुआ।

मंगोलिया को ऑयल रिफाइनरी प्रोजेक्ट के लिए 1.7 अरब डॉलर की ऋण सहायता देगा भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना के बीच यहां के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता हुई। भारत मंगोलिया को तेल रिफाइनरी परियोजना के लिए 1.7 अरब डॉलर का ऋण देगा।

यह भारत की विश्व में सबसे बड़ी विकास सहयोग परियोजना है। दोनों नेताओं ने वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत अब मंगोलिया के नगरिकों को निःशुल्क ई-वीजा सुविधा देगा। इसके अलावा हर वर्ष मंगोलिया के युवा सांस्कृतिक राजदूत बन प्रायोजित यात्रा पर भारत यात्रा करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वक्तव्य में सांस्कृतिक एकजुटता और बौद्ध विरासत का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सदियों से

दोनों देश बौद्ध धर्म के सूत्र में बंधे हैं, जिसकी वजह से हमें आध्यात्मिक बंधु भी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय ने मंगोलिया में बौद्ध धर्म के लिए अहम भूमिका निभाई है। दोनों नेताओं ने तय किया कि नालंदा और 'गंदन मॉनेस्टेरी' को साथ जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि हम 'गंदन मॉनेस्टेरी' में एक संस्कृत शिक्षक भी भेजेंगे, ताकि वहां के बौद्ध ग्रंथों का गहराई से अध्ययन किया जा सके और प्राचीन ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाया जा सके। हमारा रक्षा और सुरक्षा सहयोग भी लगातार मजबूत हो रहा है। प्रधानमंत्री ने हर्ष व्यक्त किया कि अगले वर्ष भगवान बुद्ध के दो महान शिष्यों– सारिपुत्र और मौद्गल्या-यन के पवित्र अवशेष को भारत से मंगोलिया भेजा जाएगा। मंगोलिया के राष्ट्रपति उखना ने आज सुबह राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति उखना ने राष्ट्रपति की माँ के सम्मान में हैदराबाद हाउस में संयुक्त रूप से एक पौधा लगाया। यह पहल प्रधानमंत्री की 'एक पेड़ माँ के नाम' पहल और राष्ट्रपति के एक अरब पेड़ अभियान को एक साथ लाती है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारे ग्रह की रक्षा करने की एक साझा प्रतिबद्धता है।

स्टॉक मार्केट में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की मजबूत एंट्री, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ को निवेशकों की ओर से भी शानदार रिस्पांस मिला था, जिसके कारण आईपीओ मार्केट में करीब 17 साल बाद किसी कंपनी के आईपीओ को 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बोली मिली थी। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 1,140 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 1,715 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 1,710.10 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह कारोबार की शुरुआत में ही इसे करीब 50 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिल गया। लिस्टिंग के बाद इस शेयर की चाल में उतार चढ़ाव होने लगा। खरीदार के सपोर्ट से ये शेयर 1,749 रुपये तक उछला, वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 1,650 रुपये तक गोता भी लगाया। पूरे दिन के कारोबार के बाद एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर बीएसई पर 1,689.40 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 1,689.90 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 48 प्रतिशत से ज्यादा का फायदा हो गया। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का 11,607.01 करोड़ रुपये का आईपीओ 7 से 9 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 54.02 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 166.51 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 22.44 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

सर्राफा बाजार में रिकॉर्डतोड़ तेजी जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमत में रिकॉर्ड तेजी का सिलसिला आज भी जारी है। ये दोनों चमकीली धातुएं आज एक बार फिर मजबूती के नए शिखर पर पहुंची हुई हैं। आज के कारोबार में सोना 2,700 रुपये से लेकर 2,950 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इसी तरह चांदी की कीमत 4,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल कर नई ऊंचाई पर पहुंच गई है। कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,28,360 रुपये से लेकर 1,28,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,17,660 रुपये से लेकर 1,17,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,89,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,28,510 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,17,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,28,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,17,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर

बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,28,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,17,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,28,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,17,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,28,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,17,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार मेंओ 24 कैरेट सोना आज 1,28,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,17,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,28,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,17,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,28,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,17,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,28,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

प्रधानमंत्री 16 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश में 13,430 करोड़ की विकास परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास, उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 16 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री श्रीशैलम स्थित प्रसिद्ध श्री भ्रमरम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी वरला देवस्थानम में पूजा-अर्चना करेंगे। इसके अलावा वे कुरनूल में 13,430 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री सुबह नंदयाल जिले के श्रीशैलम स्थित प्रसिद्ध श्री भ्रमरम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी वरला देवस्थानम में पूजा-अर्चना करेंगे। यह मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों और 52 शक्तिपीठों में से एक है। इस मंदिर की विशेषता यह है कि यहां एक ही परिसर में ज्योतिर्लिंग और शक्तिपीठ दोनों स्थित हैं, जिससे यह देशभर में अद्वितीय धार्मिक स्थल बनता है। प्रधानमंत्री इसके बाद श्रीशैलम स्थित श्री शिवाजी स्फूर्ति केंद्र का दौरा करेंगे। यह केंद्र छत्रपति शिवाजी महाराज को समर्पित एक स्मारक परिसर है, जिसमें ध्यान मंदिर के चारों कोनों पर उनके चार प्रमुख किलों–प्रतापगढ़, राजगढ़, रायगढ़ और शिवनेरी–के मॉडल बने हैं। केंद्र में शिवाजी महाराज की ध्यान मुद्रा में प्रतिमा स्थापित है। यह स्मारक 1677 में शिवाजी महाराज की श्रीशैलम यात्रा की स्मृति में स्थापित श्री शिवाजी स्मारक समिति द्वारा संचालित किया जाता है। इसके बाद प्रधानमंत्री कुरनूल जाएंगे, जहां दोपहर लगभग 2:30 बजे वे लगभग 13,430 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पण करेंगे। प्रधानमंत्री इस अवसर पर एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इन परियोजनाओं में उद्योग, सड़क, रेलवे, ऊर्जा, रक्षा विनिर्माण और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। इनका उद्देश्य क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करना और आंध्र प्रदेश के सामाजिक-आर्थिक विकास को नई गति देना है। प्रधानमंत्री 2,880 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कुरनूल-III पूलिंग स्टेशन पर पारेषण प्रणाली सुदृढ़ीकरण परियोजना की आधारशिला रखेंगे। इससे 6,000 एमवीए की परिवर्तन क्षमता बढ़ेगी और नवीकरणीय ऊर्जा के पारेषण को बढ़ावा मिलेगा। औद्योगिक विकास को बल देने के लिए, प्रधानमंत्री कुरनूल के ओर्वाकल औद्योगिक क्षेत्र और कडप्पा के कोप्पर्थी औद्योगिक क्षेत्र की आधारशिला रखेंगे, जिन पर कुल 4,920 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा। इन परियोजनाओं से करीब एक लाख रोजगार सृजित होने और 21,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित होने की संभावना है।

इरेडा का शुद्ध लाभ दूसरी तिमाही में 41 फीसदी बढ़कर 549 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। इरेडा का एकल शुद्ध लाभ 30 सितंबर को समाप्त जुलाई-सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर 41 फीसदी बढ़कर 549 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 388 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि कंपनी की परिचालन आय चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 26 फीसदी बढ़कर 2,057 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 1,630 करोड़ रुपये थी। इस दौरान कंपनी का ऋण सालाना आधार पर 64,564 करोड़ रुपये की तुलना में 31 फीसदी बढ़कर 84,477 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह ऋण स्वीकृतियां 145 फीसदी बढ़कर 21,408 करोड़ रुपये हो गईं, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 8,724 करोड़ रुपये थीं। कंपनी का ऋण वितरण 4,462 करोड़ रुपये से 81 फीसदी बढ़कर 8,062 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा सितंबर तक कंपनी की कुल संपत्ति 12,920 करोड़ रुपये थी, जो एक साल पहले के 9,336 करोड़ रुपये से 38 प्रतिशत अधिक है। केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इरेडा लिमिटेड की चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजे पर कहा कि मजबूत प्रगति के साथ, स्वच्छ ऊर्जा की ओर भारत की यात्रा अद्भुत गति पकड़ रही है।

मित्तल सेक्शंस के आईपीओ से निवेशक हुए निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। लोहे और स्टील के फ्लैट बार, राउंड बार और एंगल्स जैसे प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी मित्तल सेक्शंस के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 143 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 114.40 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद दोपहर 11 बजे के थोड़ी देर पहले तक इस शेयर में कोई बदलाव नहीं हुआ। हालांकि, 11 बजे के कुछ मिनट पहले अचानक बिकवाली का दबाव बनने पर ये शेयर फिसल कर 108.40 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया और इसी स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपन के आईपीओ निवेशकों को 23.99 प्रतिशत का नुकसान हो गया। मित्तल सेक्शंस का 52.91 करोड़ रुपये का आईपीओ 7 से 9 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से भी मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.25 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.13 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.55 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 4.08 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 37 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी नई फैक्ट्री के लिए जमीन खरीदने और बिल्डिंग का

कंस्ट्रक्शन करने, मशीनरी की खरीदारी करने, पुराने कर्ज का बोझ कम करने, अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 56 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 1.89 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 3.61 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय में लगातार गिरावट आई। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी की आय 167.53 करोड़ रुपये थी, जो वित्त वर्ष 2024 में घट कर 161.65 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में 137.07 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गई। मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें तो पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 में कंपनी को 1.47 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी को 28.17 करोड़ की आय हासिल हो चुकी है। इस दौरान कंपनी पर कर्ज के बोझ में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 20.39 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में घट कर 15 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 के आखिर में कंपनी का कर्ज उछल कर 21.09 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 के बाद कर्ज का बोझ 20.70 करोड़ रुपये के स्तर पर था। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें, तो वित्त वर्ष 2022-23 के आखिरी में ये 2.21 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिरी में बढ़ कर 4.11 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 के आखिरी में घट कर 2.47 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इज़रायल ने हमास को सभी 28 बंधकों के शवों को देने के लिए दिया समय

एजेंसी

यरूशलम। इज़रायल हमास द्वारा सभी 28 इजरायली बंधकों के शवों को नहीं सौंपे जाने से बेहद निराश हैं और उसने समूह पर इस मुद्दे पर आगे किसी भी प्रगति के लिए आज शाम तक की समय सीमा तय की है। इजरायली शीर्ष अधिकारियों ने हमास पर जानबूझकर अपने वादे को पूरा करने से पीछे हटने का आरोप लगाया है। इस बीच मध्यस्थ पक्षों ने कहा कि गाजा में हुए विनाश के बाद मलबे के कारण हमास को सभी शवों का पता लगाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इजरायल के सरकारी कैन पब्लिक ब्रॉडकास्टर के अनुसार इज़रायल का मानना है कि हमास पहले से ही कुछ शवों को अपने पास रखे हुए है और संभवतः इज़रायली अधिकारियों पर दबाव बनाने के लिए उन्हें सौंपने से इनकार कर रहा है। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा कि 'यह स्पष्ट था, लेकिन अब हम प्रतिक्रिया के विकल्पों पर किसी महत्वपूर्ण तरीके से चर्चा कर रहे हैं।' एक मध्यस्थ देश के अरब राजनयिक ने हिब्रू मीडिया एजेंसियों को बताया कि मध्यस्थ इस मुद्दे पर काम कर रहे हैं और उन्हें नहीं लगता कि गाजा समझौता खतरे में है। कल हमास ने उन ताबूतों को सौंप दिया जिनमें गाजा के मारे गए चार बंधकों के अवशेष होने की बात कही थी। उसने अन्य 24 मृत बंधकों के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की।

उचित वेतन की मांग को लेकर अमेरिका के हज़ारों स्वास्थ्यकर्मी हड़ताल पर

लॉस एंजिल्स। अमेरिका में हज़ारों स्वास्थ्यकर्मी उचित वेतन और समुचित सेवाशर्तों की मांग को लेकर पांच दिन के हड़ताल पर चले गए हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पश्चिमी तटीय इलाके में हुई इस हड़ताल से 500 से ज़्यादा अस्पताल और चिकित्सा सुविधाएं प्रभावित हुये हैं। इनमें कैलिफ़ोर्निया और हवाई इलाके के अस्पताल और लॉस एंजिल्स क्षेत्र के कई अस्पताल शामिल हैं। हड़ताल का मकसद उचित वेतन एवं सेवा शर्तें और रोगी देखभाल की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। यह पांच दिवसीय हड़ताल सुबह सात बजे शुरू हुई और रविवार सुबह सात बजे तक चलेगी। इसमें कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले यूनाइटेड नर्सेस एसोसिएशन ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया/यूनियन ऑफ़ हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स संगठन के 50 साल के इतिहास में यह सबसे बड़ी हड़ताल है। इस यूनियन ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा कि उनके न चाहते हुए भी हड़ताल का तरीका अपनाना पड़ा है।

उत्तरपूर्व ऑस्ट्रेलिया में घर में आग लगने से तीन लोगों की मौत

सिडनी। उत्तरपूर्वी ऑस्ट्रेलियाई राज्य क्वींसलैंड में बुधवार सुबह एक घर में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गयी। सुबह स्थानीय समयानुसार लगभग छह बजे, ब्रिस्बेन से 400 किलोमीटर उत्तर में स्थित ग्लैडस्टोन शहर में एक दो मंजिला घर में लगी आग को बुझाने के लिए अग्निशमन और बचाव दल को तैनात किया गया। बुधवार को स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 6 बजे, ब्रिस्बेन से 400 किलोमीटर उत्तर में स्थित ग्लैडस्टोन शहर में एक दो मंजिला घर में लगी आग को बुझाने के लिए अग्निशमन और बचाव दल को तैनात किया गया। जब तक टीमें पहुंचीं तब तक घर पूरी तरह से आग की चपेट में आ चुका था और आग पर काबू पाने से पहले ही आंशिक रूप से ढह गया था। तीन लोगों के शव बाद में तलाशी के दौरान मिले जो शुरू में लापता बताए जा रहे थे। अधिकारियों को आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने आग लगने की परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी।

चीन में हैनान के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी पर भ्रष्टाचार का आरोप

बीजिंग। दक्षिण चीन के हैनान प्रांत के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी लुओ ज़ेंगबिन पर रिश्वत लेने के आरोप में अभियोग लगाया गया है। यह जानकारी सर्वोच्च जन अभियोजक ने बुधवार को दी। श्री लुओ चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की हैनान प्रांतीय समिति की स्थायी समिति के सदस्य और हैनान की राजधानी हाइकोऊ की सीपीसी नगरपालिका समिति के सचिव रह चुके हैं। श्री लुओ पर आरोप है कि उन्होंने सिचुआन प्रांत और हैनान प्रांत में विभिन्न पदों पर रहते हुए दूसरों को लाभ पहुंचाया जबकि बदले में उन्होंने अवैध रूप से बहुत बड़ी मात्रा में धन एवं उपहार स्वीकार किया। यह मामला मध्य चीन के हुनान प्रांत के चेनझोउ शहर के जन अभियोजक द्वारा शहर की मध्यवर्ती जन अदालत में दायर किया गया है।

वेनेजुएला के पास जहाज पर अमेरिकी हमला, ड्रग तस्करी कर रहे 6 लोग मारे गए : ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि अमेरिका की सेना ने वेनेजुएला के तट के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी कर रहे एक जहाज पर हमला किया, जिससे उसमें सवार छह लोगों की मौत हो गई। ट्रंप ने यह जानकारी ट्रुथ सोशल पर दी। समाचार एजेंसी के अनुसार, सितंबर से अब तक अमेरिका की ओर से वेनेजुएला के आसपास नशा तस्करी में शामिल संदिग्ध जहाजों पर किए गए सैन्य हमलों में कुल 27 लोगों की मौत हो चुकी है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने पुष्टि की थी कि यह जहाज नशे की तस्करी के लिए जाने-पहचाने समुद्री मार्ग पर जा रहा था और अवैध मादक पदार्थों के आतंकवादी नेटवर्क से जुड़ा था। इससे पहले, ट्रंप प्रशासन ने कांग्रेस को एक ज्ञापन

भेजकर सूचित किया था कि अमेरिका अब उन ड्रग कार्टेलों के खिलाफ 'गैर-अंतरराष्ट्रीय सशस्त्र संघर्ष' की स्थिति में है जिन्हें उसने आतंकवादी संगठन घोषित किया है। इन संगठनों के सदस्यों को अमेरिका 'अवैध लड़ाके' मानकर कार्रवाई करेगा। हालांकि, ज्ञापन में कार्टेलों के नाम नहीं बताए गए थे और न ही उन मानकों का खुलासा किया गया था जिनका उपयोग अमेरिकी सरकार यह तय करने के लिए करेगी कि कोई व्यक्ति किसी कार्टेल से इतना जुड़ा है कि उसे निशाना बनाया जा सके।

उधर, वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि वह ड्रग्स कार्टेलों का बहाना बनाकर वेनेजुएला की सरकार बदलने और लैटिन अमेरिका में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

कुछ दिन पहले, वेनेजुएला के रक्षा और विदेश मंत्रालयों ने अमेरिकी लड़ाकू विमानों की अवैध घुसपैठ की निंदा की थी। विदेश मंत्री इवान गिल ने सोशल मीडिया पर बताया कि 2 अक्टूबर 2025 को अमेरिका के युद्धक विमान वेनेजुएला के तट से लगभग 75 किलोमीटर की दूरी पर पाए गए।

नेतन्याहू ने कहा-हमास ने निशस्त्रीकरण से इनकार किया तो तबाही मच जाएगी

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आज कठोर रुख अपनाते हुए कहा कि अगर हमास ने निशस्त्रीकरण से इनकार किया तो तबाही मच जाएगी। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय पर आई है, जब इजराइल और हमास के बीच गाजा में युद्धविराम का पहला चरण प्रभावी हो चुका है। इजराइली बंधकों की रिहाई के बाद फिलिस्तीनी कैदियों को छोड़ा जा रहा है। इस बीच हमास ने चार बंधकों के शव इजराइल को सौंप दिए हैं। द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने सीबीएस न्यूज को दिए साक्षात्कार में कहा है कि अगर हमास निशस्त्रीकरण के लिए सहमत नहीं होता है, तो तबाही मचनी तय है। यह पूछने पर कि जब इजराइली सेना अभी भी गाजा के कुछ हिस्सों में तैनात है और हमास पट्टी पर फिर से नियंत्रण स्थापित कर रहा है, तो यह कैसे कहा जा सकता है कि युद्ध समाप्त हो गया है? नेतन्याहू ने कहा, हम शांति को एक मौका देने के लिए सहमत हुए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि युद्धविराम समझौते में यह प्रावधान है कि फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह को निशस्त्र और गाजा का विसैन्यीकरण किया जाना चाहिए। गाजा पट्टी के अंदर कोई हथियार कारखाने नहीं चलने चाहिए और इसकी सीमाओं पर कोई तस्करी नहीं होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी कहा है कि अगर हमास समझौते के अपने हिस्से का पालन नहीं करता है तो हम उसे हिंसक तरीके से निशस्त्र कर देंगे। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि उन्हें इजराइल और हमास के बीच समझौते के अगले चरण के शांतिपूर्ण होने की उम्मीद है।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री देउवा लेंगे सक्रिय राजनीति से संन्यास, इलाज के लिए सिंगापुर जाने की तैयारी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउवा पार्टी की सक्रिय राजनीति से संन्यास लेते हुए इलाज के लिए सिंगापुर जाने की तैयारी में हैं। पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक में एक लिखित वक्तव्य पढ़ते हुए उन्होंने इसकी जानकारी दी।

जेन जी विद्रोह के दौरान बुरी तरह से घायल हुए नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा 35 दिन बाद अपने पार्टी के दफ्तर में आयोजित केंद्रीय समिति की बैठक में सहभागी हुए। उन्होंने पार्टी की जिम्मेदारी उपाध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड़का को कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में सौंपने का फैसला किया है। देउवा ने कहा कि पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपने के साथ ही अब समय पर महाधिवेशन के बाद नए नेतृत्व का चयन हो जाए, इसके लिए सभी को तैयारी करनी होगी। देउवा ने महाधिवेशन के बाद निर्वाचित नए अध्यक्ष को पार्टी का नेतृत्व हस्तांतरण कर देंगे। देउवा ने अब राजनीति में सक्रिय नहीं रहने का संकेत देने के साथ ही अपने उपचार के लिए सिंगापुर जाने की बात कही है। पार्टी बैठक के बाद उन्होंने कहा कि अभी भी बहुत अधिक देर तक बैठने पर उन्हें चक्कर आने लगता है और बेहोशी छाने लगती है।

जेन जी विद्रोह के दौरान प्रदर्शनकारियों ने उनके घर में घुस कर शेरबहादुर देउवा और उनकी पत्नी आरजू देउवा पर हमले किए थे। इस दौरान उन पर खुकरी से भी हमला किया गया जिसके कारण शेर बहादुर देउवा के माथे पर 12 टांके और आरजू देउवा के गर्दन पर 8 टांके लगाए गए थे। प्रदर्शनकारियों ने पूरा उनका घर जला दिया था। इस घटना के बाद पहली बार सार्वजनिक हुए देउवा दंपति

ने इलाज के लिए सिंगापुर जाने की बात कही है। हालांकि उनके डिप्लोमेटिक पासपोर्ट को सरकार ने रद्द कर दिया है और उन दोनों के काठमांडू से बाहर जाने पर भी रोक लगा दी गई है।

नेतन्याहू मिले रिहा बंधकों से, एतान मोर से छूटने की वजह जानकर चौंके

एजेंसी

तेल अवीव। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हमास की कैद से छूटे बंधकों से मिलकर उनकी पीड़ा को समझने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यहां बेइलिन्सन अस्पताल में रिहा हुए बंधकों और उनके परिवारों से मुलाकात कर चर्चा की। सोमवार को रिहा किए बंधक एतन मोर की आपबीती सुनकर प्रधानमंत्री ही नहीं अन्य लोग भी चौंक गए। मोर ने बताया कि गाजा में कैद के दौरान एक हमास नेता ने उससे कहा था कि उसके रिहा होने की संभावना ज्यादा है, क्योंकि उसके परिवार ने सरकार पर बंधक-युद्धविराम समझौते के लिए दबाव डालने वाले विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा नहीं लिया। द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसकी पुष्टि की है। रिपोर्ट के अनुसार, मोर ने प्रधानमंत्री को बताया कि इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद इस समय आतंकवादी समूह हमास का वास्तविक नेता है। वह पहले हमास के गाजा सिटी ब्रिगेड की कमान संभालता रहा है। इसी नेता ने उससे कैद के दौरान कहा था, अगर किसी

को सबसे पहले रिहा किया जाएगा, तो वो आप हैं। आपके पिता वैसे भी विरोध प्रदर्शनों में नहीं जाते, इसलिए हम आपको पहले वापस भेज देंगे। मोर के पिता ज्विका टिकवा फोरम के प्रमुख हैं। यह फोरम बंधक परिवारों का छोटा समूह है। यह फोरम पहले के उन समझौतों का विरोध करता रहा है, जिनमें सैकड़ों फिलिस्तीनी सुरक्षा कैदियों और गाजा में अस्थायी युद्धविराम के बदले में केवल कुछ बंधकों की रिहाई सुनिश्चित की गई थी। इस बीच बंधक परिवारों ने शव सौंपने में हमास की विफलता पर आईडीएफ प्रमुख से मुलाकात की मांग की है। बंधक और लापता परिवार मंच ने कहा है कि वह आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर से बात करना चाहते हैं। मंच ने बयान में कहा है, परिवार चीफ ऑफ स्टाफ से इस बात का स्पष्टीकरण मांगेंगे कि आईडीएफ समझौते का सामान्य रूप से पालन क्यों कर रहा है, जबकि इस बात की गंभीर आशंका है कि बंधक कैद में ही रहेंगे क्योंकि हमास हस्ताक्षरित समझौते का खुलेआम उल्लंघन कर रहा है। परिवारों का आरोप है कि आईडीएफ अभी भी 7 अक्टूबर, 2023 के नरसंहार से पहले की तरह ही व्यवहार कर रहा है। हमास की बातों पर विश्वास कर रहा है। बजाय इसके कि वह यह समझे कि यह एक धोखेबाज और घृणित आतंकवादी संगठन है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच हुई भारी गोलीबारी, पाक ने रिहायशी इलाकों को बनाया निशाना

एजेंसी

काबुल । स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, तड़के पाकिस्तानी और अफगान बलों के बीच सीमा पार भीषण झड़पें हुईं। इस हिंसक झड़प में दोनों पक्षों के नागरिकों के हताहत होने की खबरें सामने आईं। अफगानिस्तान स्थित खामा प्रेस ने सूत्रों के हवाले से बताया कि अफगानिस्तान के कंधार प्रांत और पाकिस्तान के बलूचिस्तान क्षेत्र के बीच एक प्रमुख सीमावर्ती जिले, स्पिन बोल्डक में सुबह लगभग 4 बजे भीषण लड़ाई शुरू हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी सेना ने रिहायशी इलाकों पर गोलाबारी की, जिससे कई नागरिक अपने घरों से भागने को मजबूर हो गए।

स्पिन बोल्डक जिले के सूचना अधिकारी अली मोहम्मद हकमल ने मीडिया को पुष्टि की कि अफगान और पाकिस्तानी सैनिकों के बीच झड़पें शुरू हो गईं। इस दौरान दोनों तरफ से हल्के व भारी, दोनों तरह के हथियारों का इस्तेमाल किया गया।कंधार के

निवासियों ने सोशल मीडिया पर यह आरोप भी लगाया कि पाकिस्तान ने इलाके में नागरिकों के घरों को निशाना बनाकर भारी हथियारों से हमले किए हैं। यह झड़प मंगलवार रात खोस्त प्रांत में सीमा के पास एक छोटी सी झड़प के बाद शुरू हुई। बता दें, खोस्त में अफगान सेना और पाकिस्तानी सीमा रक्षकों के बीच डूरंड रेखा पर गोलीबारी हुई थी। हालांकि, मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। वहीं, पाकिस्तान के सरकारी मीडिया ने दावा किया कि अफगान फोर्स ने पहले ÷बिना उकसावे के' गोलीबारी की, जिसके बाद पाकिस्तानी सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई की।पाकिस्तानी मीडिया ने यह भी दावा किया कि इस गोलीबारी के दौरान पाकिस्तानी बलों ने कई अफगान टैंकों और सीमा चौकियों को क्षतिग्रस्त कर दिया।बता दें, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर बीते कई दिनों से भारी तनाव देखने को मिल रहा है। दोनों पक्षों के बीच यह तनाव तब और बढ़ गया, जब अफगानिस्तान ने सप्ताहांत में दावा किया कि उसने कई सैन्य चौकियों पर जवाबी हमलों में 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया। पाकिस्तान ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि उसके 23 सैनिक मारे गए हैं। पाकिस्तान द्वारा काबुल और पूर्वी अफगानिस्तान के एक बाजार क्षेत्र में हवाई हमले करने के बाद स्थिति और बिगड़ गई।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में भारत को सातवें कार्यकाल के लिए चुना गया

एजेंसी

न्यूयॉर्क। भारत को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 2026-28 के कार्यकाल के लिए चुना गया है। भारत का यह सातवां कार्यकाल होगा। यूएनएचआरसी ने हुए चुनाव के नतीजों की घोषणा को एक्स पर साझा किया है। भारत का तीन वर्ष का कार्यकाल अगले साल पहली जनवरी से शुरू होगा। यूएनएचआरसी के एक्स पोस्ट के अनुसार, महासभा ने 2026-2028 के कार्यकाल के लिए मानवाधिकार परिषद के 14 सदस्यों का चुनाव किया है। यह सदस्य देश हैं- अंगोला, चिली, इक्वाडोर, मिस्र, एस्टोनिया, भारत, इराक, इटली, मॉरीशस, पाकिस्तान, स्लोवेनिया, दक्षिण अफ्रीका, यूनाइटेड किंगडम और वियतनाम। महासभा की घोषणा के बाद संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने एक्स पोस्ट में कहा कि यह चुनाव मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता दर्शाता है। हरीश ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत अपने कार्यकाल के दौरान इन

लक्ष्यों के प्रति हर संभव प्रयास करेगा। उन्होंने समर्थन के लिए सभी प्रतिनिधिमंडलों का आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय 47 सदस्यों की मानवाधिकार परिषद संयुक्त राष्ट्र का एक प्रमुख निकाय है। यह विश्व में मानवाधिकारों को बढ़ावा और संरक्षण के लिए कार्यरत है। महासभा ने 2006 में परिषद का गठन किया था तब भारत को पहली बार चुना गया था।

जापान में एलडीपी को इशिबा के उत्तराधिकारी के चुनाव में झटका देने की तैयारी में विपक्ष

एजेंसी

टोक्यो। जापान में सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) को निवर्तमान प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के उत्तराधिकारी के चुनाव में संसद (डाइट) में झटका लग सकता है। एलडीपी अगले प्रधानमंत्री के चयन के लिए 21 अक्टूबर को होने वाले मतदान की अंतिम तैयारी में जुटी है। एलडीपी संसद के दोनों सदनों प्रतिनिधि सभा (निचला सदन) और पार्षद सदन (ऊपरी सदन) में सबसे बड़ी पार्टी है पर संख्या बल में कमजोर है। विपक्ष सत्तारूढ़ पार्टी को पटखनी देने के लिए गुणा-भाग कर रहा है। जापान टुडे की रिपोर्ट के अनुसार संसद में मतदान इसी सप्ताह निर्धारित था। अब मतदान संसद सत्र के पहले दिन होने की उम्मीद है। इस बात की संभावना है

कि नई अध्यक्ष साने ताकाइची के नेतृत्व वाली एलडीपी और जापान की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कॉन्स्टीट्यूशनल डेमोक्रेटिक पार्टी (सीडीपी) के बीच गठबंधन हो सकता है। चार अक्टूबर को ताकाइची के अध्यक्ष निर्वाचित होने का बाद गठबंधन में सहयोगी कोमेइतो पार्टी ने सत्तारूढ़ गुट से बाहर होने की घोषणा की है। एलडीपी संसद के दोनों सदनों में सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन किसी में भी बहुमत नहीं है। इसलिए कट्टर रूढ़िवादी और पूर्व मंत्री ताकाइची के जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री चुने जाने की संभावना अभी भी अस्पष्ट है। सीडीपी के प्रमुख योशीहिको नोडा ने कहा है कि डेमोक्रेटिक पार्टी फॉर द पीपल (डीपीपी) के नेता युइचिरो तामाकी का समर्थन करना एक विकल्प हो सकता है। द जापान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार निचले सदन में बहुमत पाने वाला सांसद ही प्रधानमंत्री बनेगा। अगर किसी को बहुमत नहीं मिलता है, तो दो शीर्ष दावेदारों के बीच मुकाबला होगा। इसमें सबसे अधिक वोट पाने वाला व्यक्ति निर्वाचित होगा। सीडीपी, डीपीपी और निप्पॉन इशिन नो काई को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रही है, लेकिन दोनों पार्टियों की प्रमुख नीतियों और राजनीतिक उद्देश्यों के मामले में काफी अंतर है, इसलिए यह स्पष्ट नहीं है कि इनमें एकता होगी या नहीं। विपक्षी दलों ने संभावित सहयोग का मार्ग प्रशस्त करने के लिए संसद में कई बैठकें कीं। डीपीपी ने पहले एलडीपी के साथ बैठक की।

नेपाल संसद पुनर्स्थापन के प्रयास के लिए स्पीकर की बैठक में चार दल अनुपस्थित रहे

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की भंग प्रतिनिधि सभा के स्पीकर देवराज घिमिरे की ओर से बुधवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक का चार राजनीतिक दलों ने बहिष्कार कर दिया है। तीन बड़ी पार्टियों सहित 6 दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही, जबकि अन्य दलों के प्रतिनिधि अनुपस्थित रहे। सिंहदरबार के संसद सचिवालय में बुलाई गई बैठक में नेपाली कांग्रेस, नेकपा एमाले, माओवादी, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी और जनता समाजवादी पार्टी नेपाल और लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। बैठक में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के मुख्य सचेतक ज्ञानेन्द्र शाही ने कहा कि संसद पुनर्स्थापना के लिए सभी दलों को एकजुट होकर सुप्रीम कोर्ट जाने के लिए स्पीकर घिमिरे की तरफ से प्रस्ताव लाया गया है। इस पर उपस्थित सभी दलों के नेताओं ने सहमति जताई है। आज की

बैठक में चौथी पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी, जसपा, नागरिक उन्मुक्ति पार्टी और जनमत पार्टी के प्रतिनिधि नहीं शामिल हुए। इस पर जनमत पार्टी के अध्यक्ष डॉ. सीके राउत ने कहा कि हम चुनाव के पक्ष में हैं, इसलिए संसद पुनर्स्थापना की बैठक में जाने का कोई फायदा नहीं है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रमुख सचेतक संतोष परियार ने कहा कि उनकी पार्टी ताजा जनादेश लेने के पक्ष में है। स्पीकर की तरफ से संसद पुनर्स्थापना की बात हो रही है, इसलिए मतभिन्नता के कारण उनकी इस बैठक में उपस्थित होना आवश्यक नहीं समझा गया।

अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला तट पर नाव सवार छह लोगों को मारा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला तट पर नाव सवार छह लोगों को मौत के घाट के उतार दिया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन लोगों के पास ड्रग्स था। सेना ने अब तक 27 ऐसे लोगों को ऐसे मार गिराया है। दो सितंबर के बाद अमेरिकी सेना ने ऐसी कार्रवाई पांचवीं बार की है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार,

राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिका ने वेनेजुएला के तट के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक नाव पर सवार छह लोगों को मार डाला। उन्होंने बिना किसी सबूत के दावा किया कि वे ड्रग्स ले जा रहे थे। ट्रंप ने कहा, खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई है कि नाव से नशीले पदार्थों की तस्करी की जा रही थी। ट्रंप ने 33 सेकंड का एक हवाई निगरानी वीडियो भी पोस्ट किया। इसमें एक छोटी नाव तैरती हुई दिखाई दे रही है और फिर एक मिसाइल से टकराकर उसमें विस्फोट हो जाता है। राष्ट्रपति ने मारे गए लोगों की राष्ट्रीयता का खुलासा नहीं किया और न ही किसी विशिष्ट ड्रग कार्टेल या आपराधिक गिरोह का नाम बताया।

बांग्लादेश में फैक्ट्री में लगी भीषण आग, झुलसने से 16 लोगों की मौत

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश की राजधानी ढाका में एक कपड़ा फैक्ट्री और एक केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस घटना में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई। न्यूज़ एजेंसी ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि ये दोनों इमारतें बांग्लादेश यूनिवर्सिटी ऑफ बिज़नेस एंड टेक्नोलॉजी के सामने अगल-बगल में स्थित हैं। ढाका के अग्निशमन सेवा मुख्यालय के अधिकारी तल्हा बिन जशीम ने शिन्हुआ को बताया, ÷ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल और ढाका स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी में 12 शव लाए गए। सुबह करीब 11:40 बजे आग बुझाने के लिए कम से कम 12 फायर ब्रिगेड की यूनिट मौके पर पहुंचीं। अधिकारी के अनुसार, सात मंजिला कपड़ा फैक्ट्री में आग तीसरी मंजिल से लगी थी और काफी हद तक बुझ चुकी है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि अग्निशमन कर्मी अभी भी केमिकल फैक्ट्री में आग पर पूरी तरह से काबू पाने के लिए काम कर रहे हैं। दरअसल, यहां ब्लीचिंग पाउडर,

प्लास्टिक और हाइड्रोजन पेरोक्साइड सहित खतरनाक सामग्री रखी हुई थी। इस वजह से यहां आग पर काबू पाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। एक अन्य अग्निशमन अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर चेतावनी दी कि आग में मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना है। दूसरी ओर आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। सुरक्षा अधिकारियों की ओर से अभी तक इस घटना पर कोई बयान सामने नहीं आया। यूनाइटेड न्यूज़ ऑफ़ बांग्लादेश (यूएनबी) की रिपोर्ट के अनुसार, अग्निशमन सेवा और नागरिक सुरक्षा के निदेशक (संचालन एवं रखरखाव) लेफ्टिनेंट कर्नल ताजुल इस्लाम चौधरी ने बताया कि अब तक नौ लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा, 'तलाशी अभियान अभी भी जारी है।' ताजुल इस्लाम ने कहा कि उन्हें संदेह है कि मजदूरों की मौत केमिकल विस्फोट के बाद जहरीली गैस की वजह से हुई होगी। हालांकि, सटीक कारण जांच के बाद पता चलेगा। उन्होंने कहा कि 'रासायनिक गोदाम में लगी आग पर अभी तक काबू नहीं पाया जा सका है, इसलिए यह इलाका बेहद जोखिम भरा बना हुआ है। किसी को भी कारखाने के पास जाने की अनुमति नहीं है।' इसके साथ ही उन्होंने लोगों से आग लगने वाली जगह से कम से कम 300 गज की दूरी बनाए रखने का आग्रह किया। अग्निशमन सेवा एवं नागरिक सुरक्षा मीडिया विभाग के अधिकारी तल्हा बिन जशीम ने बताया कि आग सुबह लगभग 11:40 बजे (स्थानीय समयानुसार) लगी और तेजी से पूरी इमारत में फैल गई। सूचना मिलने के बाद, सात अग्निशमन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के प्रयासों में जुट गईं।

स्ट्रॉबेरी की खेती

स्ट्रॉबेरी उथली जड़ वाला पौधा है। अतः रोपाई के पूर्व खेत को भली भांति तैयार कर लेना चाहिए। इसके लिए एक जुताई मृदा पलटने वाले हल से तथा 2 से 3 जुताई देसी हल से करके पाटा चलाकर मृदा को अच्छी तरह भुरभुरा बना लेना चाहिए। यदि मिटटी में किसी कवक या बीमारी का प्रकोप हो तो उसे उपचारित कर लें। इसके लिए गर्मियों में जब तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस के मध्य हो, मृदा सौरीकरण कर लेना चाहिए।

स्ट्रॉबेरी का वानस्पतिक नाम फ्रेगेरिया अननासा है । यह रोजेसी कुल का सदस्य है। इसका पौधा शाकीय, छोटा, कोमल तथा बहुवर्षीय होता है। इसका तना नाममात्र का तथा पूर्ण विकसित त्रिपत्री पत्तियां होती हैं। यह दो अन्य प्रजातियों (फ्रेगेरिया चिलयोनसिस एवं फ्रेगेरिया बरजीनियाना) के प्राकृतिक संकरण से विकसित किया गया है। स्ट्रॉबेरी के फल बडे लुभावने, रसीले एवं पौष्टिक होते हैं। ये मध्यम आकार (10 से 15 ग्राम), चित्ताकर्षक, सुवासयुक्त और सिंदूरी रंग लिए हुए बहुत ही नरम होते हैं। इनकाखाने योग्य भाग लगभग 98 प्रतिशत होता है। इन फलों में विटामिन- सी तथा लौह तत्व प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होते हैं। यह अपने विशेष स्वाद एवं रंग के साथ-साथ औषधीय गुणों के कारण भी एक महत्वपूर्ण फल है। इसका उपयोग कई मूल्य संवर्धित उत्पादों जैसे आईसक्रीम, जैम, जैली, कैंडी, केक इत्यादि बनाने के लिए भी किया जाता है। इसकी खेती अन्य फल वाली फसलों की तुलना में कम समय में ज्यादा मुनाफा दिला सकती है। यह अल्प अवधि (4 से 5 महीने) में ही फलत देने वाली फसल है।

भारतमें कुछ वर्षों पूर्व तक स्ट्रॉबेरी की खेती केवल पहाड़ी क्षेत्रों जैसे उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, कश्मीर घाटी, महाराष्ट्र, कालिम्पोंग इत्यादि जगहों तक ही सीमित थी। वर्तमान में नई उन्नत प्रजातियों के विकास से इसको उष्णकटिबंधीय जलवायु में भी सफलतापूर्वक उगाया जा रहा है। इसके कारण यह मैदानी भागों जैसे उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार आदि राज्यों में अपनी अच्छी पहचान बना चुकी है।

तकनीक जानकारी के अभाव में किसान भाई इसकी खेती करने में अपने आपको असहज महसूस करते हैं। जबकि यदि स्ट्रॉबेरी की वैज्ञानिक तकनीक से खेती की जाये, तो इसकी फसल से अच्छा उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। अत: इस लेख में स्ट्रॉबेरी की वैज्ञानिक खेती के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया गया है। इससे किसान भाई उच्च उत्पादन व गुणवत्ता वाले फल प्राप्त करके अधिकाधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। स्ट्रॉबेरी शीतोष्ण जलवायु की फसल है, परंतु उन्नत किस्मों के विकास से इसको अब समशीतोष्ण एवं उष्णकटिबंधीय जलवायु में भी सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। यह कम प्रकाश अवधि (शॉर्ट डे) वाला पौधा है। इसमें पुष्पन प्रारंभ होने के लिए लगभग 10 दिनों तक 8 घंटे से कम प्रकाश अवधि की जरूरत होती है। पौधों की अच्छी बढ़वार के लिए दिन का अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान । से 13 डिग्री सेल्सियस उपयुक्त माना गया है। इसके फूलों व नाजुक फलों को पाले से बचाने के लिए निम्न सुरंग तकनीक (लो टनल टैक्नीक) का प्रयोग किया जा सकता है।

स्ट्रॉबेरी की खेती लगभग सभी प्रकार की मृदाओं में की जा सकती है। अधिक तथा गुणवत्तायुक्त उत्पादन के लिए अच्छे जल निकास वाली, जीवाशयुक्त, हल्की बलुई दोमट मृदा, जिसका पी एच मान 5.5 से 6.5 के मध्य हो, उपयुक्त रहती है। मृदा में कैल्शियम की अधिक मात्रा से पौधे की पत्तियां पीली पड़ जाती हैं। क्षारीय एवं सूत्रकृमि ग्रसित भूमि भी स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए उपयुक्त नहीं रहती है।

स्ट्रॉबेरी उथली जड़ वाला पौधा है। अतः रोपाई के पूर्व खेत को भली भांति तैयार कर लेना चाहिए। इसके लिए एक जुताई मृदा पलटने वाले हल से तथा 2 से 3 जुताई देसी हल से करके पाटा चलाकर मृदा को अच्छी तरह भुरभुरा बना लेना चाहिए। यदि मिटटी में किसी कवक या बीमारी का प्रकोप हो तो उसे उपचारित कर लें। इसके लिए गर्मियों में जब तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस के मध्य हो, मृदा सौरीकरण कर लेना चाहिए।

सौरीकरण करने के लिए क्यारियों को हल्का नम कर या हल्की सिंचाई कर, 200 गेज की प्लास्टिक की पारदर्शी फिल्म से 6 से 8 सप्ताह तक ढककर रखें। प्लास्टिक फिल्म के किनारों को मिटटी से ढक देना चाहिए, ताकि हवा अंदर प्रवेश नहीं कर पाए। इस प्रक्रिया से प्लास्टिक फिल्म के अंदर का तापमान 48 से 56 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। इससे मिटटी में मौजूद हानिकारक कीट, रोगों के बीजाणु तथा कुछ खरपतवारों के बीज भी नष्ट हो जाते हैं। आजकल इसके लिए कई तरह के रसायनों का भी प्रयोग किया जाता है। भारत में स्ट्रॉबेरी की बहुत सी किस्में उगाई जाती हैं। व्यावसायिक फल उत्पादन के लिए सही किस्मों का चुनाव बहुत जरूरी है। किस्मों का चयन क्षेत्र की जलवायु एवं भूमि की विशेषताओं को ध्यान में रखकर ही करना चाहिए। देश में उगाई जाने वाली कुछ प्रमुख किस्में इस प्रकार हैं, जैसे- चान्डलर, फेस्टिवल, विन्टर डॉन, फ्लोरिना, कैमा रोजा, ओसो ग्रैन्ड, ओफरा, स्वीट चार्ली, गुरिल्ला, टियोगा, सीस्कैप, डाना, टोरे, सेल्वा, बेलवी, फर्न, पजारो इत्यादि।

स्ट्रॉबेरी के व्यावसायिक उत्पादन के लिए जमीन की सतह से लगभग 25 से 30 सेंटीमीटर ऊंची उठी हुई क्यारियां (रेज्ड बैड) बनाएं। क्यारियों की चौड़ाई 100 से 120 सेंटीमीटर तथा लंबाई खेत की स्थिति के अनुसार रखी जा सकती है। क्यारियों की देखभाल तथा विभिन्न कार्य करने के लिए दो क्यारियों के बीच में 40 से 50 सेंटीमीटर चौड़ा खाली स्थान (रास्ता) रखा जाता है। उठी हुई क्यारियां बनाने से अधिक जल आसानी से बाहर निकल जाता है। इससे रोगों का प्रकोप कम होता है। साथ ही टपक सिंचाई यंत्र स्थापित करने में भी आसानी रहती है।

स्ट्रॉबेरी का प्रवर्धन मुख्यत: रनर्स (लता को पकड़ने वाली नोक) द्वारा किया जाता है। यह वानस्पतिक प्रवर्धन का एक भाग है। एक पौधे से लगभग । से 15 रनर्स प्राप्त हो जाते हैं। बड़े स्तर पर प्रवर्धन के लिए सूक्ष्म प्रवर्धन (ऊतक प्रवर्धन) का प्रयोग करते हैं। इस विधि से विषाणुमुक्त पौधों का प्रवर्धन संभव है। साथ ही इससे वर्षभर पौधे भी प्राप्त किए जा सकते हैं। स्ट्रॉबेरी के पौधों को रोपने का सही समय जलवायु पर निर्भर करता है। उत्तरी भारत में इसकी रोपाई सितंबर से नवंबर के मध्य की जा सकती है। रोपण करते समय यह ध्यान रहे कि रनर्स स्वस्थ तथा कीट एवं रोगरहित होने चाहिए। यह पौधों के रोपण की दूरी, उगाई जाने वाली किस्म, मृदा की भौतिक दशा, रोपण विधि और उगाने की दशा इत्यादि पर निर्भर करता है। कुछ स्थानों पर इसके रोपण की दूरी 30 X 60 सेंटीमीटर रखते हैं। इससे प्रति हैक्टर लगभग 55 हजार से 60 हजार पौधों की जरूरत होती है। अधिक उपज लेने के लिए पौधे से पौधे एवं कतार से कतार की दूरी 30 सेंटीमीटर रखी जाती है। यदि इस दूरी पर पौधों का रोपण करते हैं, तो एक हैक्टर के लिए लगभग 1 लाख 11 हजार पौधों की जरूरत होती है।

खाद एवं उर्वरकों के उपयोग का मुख्य उद्देश्य पौधों के समुचित विकास और बढ़वार के साथ ही मृदा में अनुकूल पोषण दशाएं बनाए रखना होता है। उर्वरकों को काम में लेने का उचित समय सामान्य तौर पर मृदा प्रकार, पोषक तत्व, जलवायु और फसल के स्वभाव पर निर्भर करता है। इनकी मात्रा, मृदा की उर्वरता तथा फसल को दी गई कार्बनिक खादों की मात्रा पर निर्भर करती है। यदि संतुलित मात्रा में खाद एवं उर्वरक दिए जाएं तो निश्चित रूप से पौधों की अच्छी बढ़वार और अच्छा उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। अत हमेशा मृदा जांच के उपरांत ही खाद एवं उर्वरकों का उपयोग करना चाहिए। सामान्यत: खेत तैयार करते समय 10 से 12 टन कम्पोस्ट खाद, 30 किलोग्राम नाइट्रोजन, 30 किलोग्राम फॉस्फोरस व 25 किलोग्राम पोटाश प्रति एकड़ की दर से डालनी चाहिए। इसमें फर्टिगेशन के रूप में एन पी के 19ः19ः19 की 25 ग्राम मात्रा प्रति वर्गमीटर की दर से सम्पूर्ण फसल चक्र में देनी चाहिए। यह मात्रा 15 दिनों के अंतराल पर 4 से 5 भागों में बांटकर देनी चाहिए।

स्ट्रॉबेरी में सूक्ष्म पोषक तत्वों का छिड़काव भी उत्पादन बढ़ाने में सहायक होता है। स्ट्रॉबेरी उत्पादन में यह एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। यह कार्य जमीन की ऊपरी सतह पर सूखे पत्तों, टहनियों या घासफूस से ढककर किया जाता है। परंतु आजकल पलवार बिछाने के लिए अधिकतर प्लास्टिक मल्च का प्रयोग किया जाता है। स्ट्रॉबेरी में इसका प्रयोग करने से फल सीधे मिट्टी के संपर्क में नहीं आते हैं। इससे फलों को सड़ने से बचाया जा सकता है। साथ ही यह खरपतवारों का नियंत्रण करने एवं सिंचाई की आवश्यकता को कम करने का कार्य करती है।

पलवार के लिए सामान्यतया काले रंग की लगभग 50 माइक्रॉन मोटाई वाली प्लास्टिक की फिल्म का उपयोग किया जाता है। प्लास्टिक फिल्म बिछाने का कार्य पौध रोपण के लगभग एक महीने बाद, जब पौधे अच्छी तरह स्थापित हो जाएं, तब करते हैं। क्यारियों में प्लास्टिक पलवार बिछाते समय पौधे से पौधे व कतार से कतार की दूरी को ध्यान में रखते हुए छेद करते हैं, जिससे पौधे आसानी से ऊपर आ जाएं। पलवार बिछाने से पूर्व ड्रिप (टपक) सिंचाई प्रणाली क्यारियों में व्यवस्थित कर दी जाती है।

स्ट्रॉबेरी के पौधे लगाने के कुछ समय पश्चात उनके आसपास विभिन्न प्रकार के खरपतवार उग आते हैं। ये पौधों के साथ पोषक तत्वों, स्थान, नमी, वायु आदि के लिए स्पर्धा करते रहते हैं। इसके साथ ही ये विभिन्न प्रकार के कीट एवं रोगों को आश्रय प्रदान करते हैं। अक्टूबर में रोपित पौधों से नवंबर में फुटाव शुरू हो जाता है। फुटाव शुरू होने पर खेत की निराई-गुड़ाई करके खरपतवार निकाल देने चाहिए।

डीडीसी सांबा ने समग्र कृषि विकास कार्यक्रम के कार्यान्वयन की समीक्षा की

सांबा 15 अक्टूबर। जिला विकास आयुक्त सांबा आयुषी सूदन ने डीसी कार्यालय परिसर के सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय समिति की बैठक में समग्र कृषि विकास कार्यक्रम और जम्मू-कश्मीर कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मकता सुधार परियोजना के कार्यान्वयन और प्रगति की समीक्षा की।

जिला विकास आयुक्त ने एचएडीपी और जेकेसीआईपी के अंतर्गत प्रमुख परियोजनाओं की स्थिति पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। अध्यक्ष ने समग्र कृषि विकास कार्यक्रम और कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मकता सुधार परियोजना के अंतर्गत अंतिम चयन और अनुमोदन हेतु ऑनलाइन आवेदन करने वाले लाभार्थियों की सूची की समीक्षा और चर्चा की। समग्र कृषि विकास कार्यक्रम के विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल 137 आवेदन और जेकेसीआईपी के अंतर्गत 36 आवेदन स्वीकृत किए गए।

जिला विकास आयुक्त सांबा ने सांबा जिले में सतत .षि को बढ़ावा देने के लिए सभी हितधारकों से सहयोगात्मक प्रयास करने का आह्वान किया। बैठक में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त सांबा चंपा देवी, सहायक आयुक्त विकास, महाप्रबंधक डीआईसी और संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग छोटे वाहनों के लिए दोतरफा खुला

जम्मू, 15 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए खुला है। छोटे वाहनों के लिए राजमार्ग दोनों तरफ ही खोला गया है जबकि भारी वाहनों को केवल एकतरफ से ही जाने की अनुमती दी गई है।

जानकारी के अनुसार आज छोटे वाहनों को श्रीनगर से जम्मू और जम्मू से श्रीनगर दोनों तरफ से रवाना किया जा रहा है। हालांकि बड़े वाहनों को केवल जम्मू से श्रीनगर की ओर रवाना किया जा रहा है।

इसी बीच एसएसजी रोड तथा मुगल रोड वाहनों की आवाजाही के लिए खुले हैं। मुगल रोड पर छोटे वाहनों को मार्ग के दोनों तरफ से रवाना किया जा रहा है जबकि भारी वाहनों को आज शोपियां से पुंछ की ओर रवाना किया जा रहा है।

दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग गाँव में उपद्रवियों ने कई सेब के पेड़ काट डाले

अनंतनाग, 15 अक्टूबर (हि.स.)। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग ज़िले के सिलीगाम डांगरपोरा इलाके में एक बाग में अज्ञात उपद्रवियों ने तोड़फोड़ की और एक चौंकाने वाली घटना में कई सेब के पेड़ काट डाले जिससे बाग के मालिक को नुकसान हुआ और स्थानीय लोगों में गुस्सा भड़क उठा।

रिपोर्टों के अनुसार, यह घटना रात के समय हुई जब अज्ञात लोग बाग में घुस आए और कई सेब के पेड़ काट डाले, जिनमें से कई कटाई के लिए तैयार थे। बाग के मालिक परिवार को बुधवार सुबह तड़के इस नुकसान का पता चला।

प्रभावित परिवार के एक सदस्य ने कहा हम अपनी वर्षों की मेहनत को रातोंरात बर्बाद होते देखकर स्तब्ध रह गए। उन्होंने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि यह घटना जानबूझकर आर्थिक और भावनात्मक रूप से परेशान करने की कोशिश थी। उन्होंने कहा कि ये पेड़ हमारी आजीविका का एकमात्र साधन थे, जिसने भी ऐसा किया, वह हमें बर्बाद करना चाहता था।

परिवार ने पुलिस और जिला प्रशासन से गहन जाँच शुरू करने और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने की अपील की है। परिवार ने कहा कि हम चाहते हैं कि अधिकारी इसे एक मामूली कृत्य न मानें बल्कि हमारे अस्तित्व को खतरे में डालने वाले एक आपराधिक अपराध के रूप में देखें।

पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया है और आश्वासन दिया है कि इस कृत्य के लिए ज़िम्मेदार लोगों की पहचान के लिए जाँच शुरू कर दी गई है।

पाँच साल की रिपोर्ट कार्ड के बाद हमारा आकलन करें : उपमुख्यमंत्री

श्रीनगर, 15 अक्टूबर। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने दोहराया कि वर्तमान प्रशासन जम्मू-कश्मीर के लोगों के समग्र विकास और कल्याण हेतु पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने यह बात श्रीनगर के चनपोरा निर्वाचन क्षेत्र के व्यापक दौरे के दौरान कही।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार जम्मू-कश्मीर के सभी क्षेत्रों में संतुलित और सतत विकास सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

उन्होंने कहा, लोग इस सरकार का मूल्यांकन हमारी पाँच साल की रिपोर्ट कार्ड के बाद करेंगे।

अपने दौरे के दौरान, उपमुख्यमंत्री स्थानीय विधायक मुश्ताक अहमद गुरु के साथ क्षेत्र की कई जारी विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया।

निरीक्षण की गई परियोजनाओं में हदरपोरा

सामुदायिक केंद्र, हरनबल नटीपोरा विवाह हॉल, चनपोरा में बैली ब्रिज परियोजना और रावलपोरा-मोचू सड़क का चौड़ीकरण शामिल था। उन्होंने चानपोरा से नटीपोरा जंक्शन तक बंड रोड परियोजना और क्षेत्र की अन्य चल रही परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की।

हदरपोरा सामुदायिक केंद्र का निरीक्षण करते हुए उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कार्यों को शीघ्र पुनः शुरू करने और विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए ताकि यह सुविधा जल्द से जल्द जनता को समर्पित की जा सके।

उन्होंने रावलपोरा-मोचू सड़क के साथ उपयोगिता स्थानांतरण और बाधाओं को हटाने के निर्देश भी दिए ताकि कार्य की गति तेज हो और आम जनता को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

चनपोरा क्षेत्र के निवासियों के लिए संपर्क और गतिशीलता बढ़ाने के उद्देश्य से, उपमुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को बैली ब्रिज के निर्माण कार्य को जल्द से जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि बंड रोड चनपोरा-नटीपोरा जंक्शन सहित सभी चल रहे कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। बाग-ए-मेहताब की यात्रा के दौरान उपमुख्यमंत्री ने क्षेत्र में चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया

कठुआ में त्योहार सीजन के दौरान जाम की समस्या, यातायात पुलिस शहर के बाहर नाका लगाने में व्यस्त

कठुआ 15 अक्टूबर (हि.स.)। कठुआ शहर में त्योहार सीजन के दौरान जाम की समस्या विकराल रूप धारण कर रही है। शहर के मुख्य चैक चैराहों पर जाम की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। लोगों को घंटों जाम में फंसना पड़ रहा है, जिससे उन्हें काफी परेशानी हो रही है। हैरानगी की बात है कि यातायात पुलिस के अधिकारी शहर के जाम की समस्या से निपटने के बजाय शहर के बाहर कीड़िया गंडयाल-भागथली मार्ग पर नाका लगा रहे हैं। इस मार्ग पर पहले से ही तीन नाके स्थापित हैं, जिनमें पुलिस विभाग और खनन विभाग के नाके शामिल हैं। कठुआ जिला मुख्यालय से मात्र तीन से चार किलोमीटर की दूरी पर स्थित कीड़िया गंडयाल-भागथली मार्ग पर स्थित पुलिस विभाग के दो नाके स्थापित है, उसके बावजूद भी ट्रैफिक पुलिस कठुआ इसी मार्ग पर नाके लगाकर सतर्कता दिख रही है जबकि त्योहार के सीजन में पूरा शहर जाम की स्थिति से जूझ रहा है लेकिन उस और यातायात पुलिस का इस ओर कोई ध्यान नहीं जा रहा। कीड़िया गंडयाल पुल के साथ पड़ोसी राज्य पंजाब की सीमा लगती है और पुल के पार पंजाब सीमा के साथ लगता नाका लखनपुर पुलिस थाना के अधिकार क्षेत्र में है, इसी प्रकार ठीक 2 किलोमीटर की दूरी पर भागथली के पास पुलिस नाका स्थापित किया गया है जोकि कठुआ पुलिस थाना के अधिकार क्षेत्र में है, इसी क्षेत्र के आसपास तीन दर्जन के करीब स्टोन क्रशर स्थापित है और अवैध खनन को रोकने के लिए खनन विभाग कठुआ द्वारा भी नाका इसी मार्ग पर आए दिन लगाया जाता है और अब कठुआ में हाल ही में नए जिला ट्रैफिक अधिकारी जिन्हें अपना पदवार संभाले मात्र दो सप्ताह ही हुए वह भी अपनी टीम के साथ इसी मार्ग पर ही नाका लगा रहे हैं और वाहनों की जांच कर रहे हैं जबकि पिछले कई दिनों से सोशल मीडिया पर कठुआ शहर के मुख्य चैक चैराहा पर त्यौहार सीजन के चलते जाम की तस्वीर वायरल हो रही है

महिला कॉलेज एम.ए. रोड ने जम्मू-कश्मीर के समग्र विकास में अत्यंत महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है: सकीना इत्तू

श्रीनगर 15 अक्टूबर। शिक्षा, सामाजिक कल्याण, स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने कहा कि सरकारी महिला कॉलेज, एम.ए. रोड ने पिछले 75 वर्षों से जम्मू-कश्मीर के समग्र विकास में अत्यंत महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।

मंत्री ने यह बात सरकारी महिला कॉलेज, श्रीनगर की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में की, जिसका विषय था '75 वर्षः महिलाओं की शिक्षा में उत.ष्टता का उत्सव'। यह कॉलेज महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए समर्पित जम्मू-कश्मीर के प्रमुख संस्थानों में से एक है।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा के अतिरिक्त मुख्य सचिव शांतमणु, निदेशक कॉलेज प्रो. शेख एजाज़, कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. यासमीन फ़ारूक, नोडल प्रिंसिपल प्रो. सीमा नाज़, क्लस्टर यूनिवर्सिटी श्रीनगर के डीन एकेडमिक अफेयर्स, कॉलेज के पूर्व प्राचार्य, प्रोफेसर,

पूर्व छात्र और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कॉलेज की समृद्ध विरासत और जम्मू-कश्मीर के बौद्धिक, सांस्.तिक और सामाजिक विकास में उसके परिवर्तनकारी योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि कॉलेज ने जम्मू-कश्मीर के समग्र विकास में प्रमुख भूमिका निभाई है। यह संस्थान दशकों से महिलाओं के सशक्तिकरण का आधार रहा है, जिसने विभिन्न क्षेत्रों में अर्थपूर्ण योगदान देने वाले नेताओं, शिक्षाविदों और पेशेवरों की पीढ़ियों को तैयार किया है।

मंत्री ने कहा कि जीसीडब्ल्यू, श्रीनगर, पूरी जम्मू-कश्मीर की महिलाओं के लिए सशक्तिकरण और ज्ञान का प्रतीक है। पिछले पचहत्तर वर्षों से यह संस्थान हजारों युवतियों के लिए अवसरों के द्वार खोलता आया है, जिसने न केवल शैक्षणिक उत.ष्टता बल्कि आत्मविश्वास, नेतृत्वक्षमता और समाजसेवा की भावना को भी प्रोत्साहित किया है।

अपने संबोधन में सकीना इत्तू ने कॉलेज के पूर्व छात्रों के योगदान को भी याद किया और उनके प्रति आभार जताया। उन्होंने संकाय सदस्यों और पूर्व छात्रों की निरंतर प्रतिबद्धता की प्रशंसा की और विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे ज्ञान-आधारित विकास के इस युग में संस्थान की गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाएँ।

इसके अतिरिक्त मंत्री ने कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर में उच्च शिक्षा के बुनियादी ढांचे को सु.ढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है, विशेष रूप से महिलाओं की शिक्षा में पहुँच, गुणवत्ता और नवाचार को बढ़ावा देने पर ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों को अत्यधिक महत्त्व दिया है तथा इनके लिए बजट में पर्याप्त प्रावधान रखा गया है।

उन्होंने यह भी कहा कि पिछले एक वर्ष में नई डिग्री कॉलेजों को कार्यात्मक बनाया गया है और पर्याप्त संकाय नियुक्त किए गए हैं ताकि जम्मू-कश्मीर के कॉलेजों में शैक्षणिक परिणामों को बेहतर किया जा सके।

क्लस्टर यूनिवर्सिटी श्रीनगर के उपकुलपति, उच्च शिक्षा के अतिरिक्त मुख्य सचिव और निदेशक कॉलेजों ने भी सभा को संबोधित किया।

अपने स्वागत भाषण में, जीसीडब्ल्यू श्रीनगर की प्रिंसिपल ने समारोह को कॉलेज के इतिहास का ऐतिहासिक दिन बताया और स्थापना से अब तक की विभिन्न उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

समारोह के दौरान, मंत्री ने कॉलेज के 75 वर्षों की यात्रा को दर्शाने वाली कॉफ़ी टेबल बुक का विमोचन किया। उन्होंने 'कॉलेज टाइम्स', 'जूलॉजिकल क्रॉनिकल' और पूर्व छात्राओं, शिक्षकों तथा विद्यार्थियों द्वारा लिखित कई पुस्तकों का भी लोकार्पण किया। मंत्री ने अवसर पर शैक्षणिक रूप से उत.ष्ट विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों और पूर्व छात्राओं को सम्मानित किया।

कार्यक्रम के दौरान कॉलेज की संस्थागत यात्रा को एवी प्रस्तुति, डॉक्यूमेंट्री, पूर्व छात्रा साक्षात्कारों तथा 2014 की बाढ़ के दौरान कॉलेज की तस्वीरों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया, जिससे महिलाओं की शिक्षा में उत.ष्टता के प्रति कॉलेज की प्रतिबद्धता उजागर हुई।

अवसर पर फ्रइंटर-जनरेशनल स्टोरीटेलिंगफ्र सत्र भी आयोजित किए गए, जिनमें पूर्व छात्राओं ने अपने अनुभव और विचार साझा किए। प्रो. नीरजा मट्टू, प्रो. नसीम शफ़ाई और नैन्सी धर ने अपनी कहानियाँ सुनाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कॉलेज की सांस्.तिक समिति ने इस अवसर पर विविध कला रूपों का रंगारंग प्रदर्शन किया, जिसमें हिंदी आह्वान गीत, पंजाबी नृत्य, कविता पाठ, शास्त्रीय संगीत, लद्दाखी गीत, नाटक, समूह गीत, लद्दाखी नृत्य, लाड़ी शाह, क़व्वाली और कश्मीरी रौफ जैसी प्रस्तुतियाँ शामिल थीं।